A Daily News Magazine
इंदौर
गुरुवार, 09 मई, 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 202 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

मुंबई की छह सीटें : सत्तारूढ़ दलों के लिए फंसा पेंच

नीरज कुमार दुबे

मुंबई में छह संसदीय क्षेत्रों में राजनीतिक लड़ाई का मैदान सज चुका है और दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप के तीर एक-दूसरे पर चलाये जा रहे हैं। छह में से तीन सीटों पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना आमने सामने हैं तो बाकी की तीन सीटों में से दो पर भाजपा का मुकाबला कांग्रेस से होगा और एक सीट पर भगवा पार्टी शिवसेना (यूबीटी) से भिड़ेगी। मुंबई में छह निर्वाचन क्षेत्र हैं- मुंबई दक्षिण, मुंबई दक्षिण-मध्य, मुंबई उत्तर, मुंबई उत्तर-मध्य, मुंबई उत्तर-पूर्व और मुंबई उत्तर-पश्चिम। मुंबई की छह सीटें महाराष्ट्र की उन 13 सीटों में से हैं, जिन पर 20 मई को पांचवें और अंतिम चरण में मतदान होगा।

मुंबई दक्षिण, मुंबई दक्षिण-मध्य और मुंबई उत्तर-पश्चिम में दोनों शिव सेनाओं के बीच मुकाबला होगा, जबकि मुंबई उत्तर-पूर्व में भाजपा बनाम शिवसेना (यूबीटी) का आमना-सामना होगा। मुंबई दक्षिण में उद्धव ठाकरे के मौजूदा सांसद अरविंद सावंत शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की यामिनी जाधव से मुकाबला करेंगे। यामिनी जाधव मुंबई के भायखला विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। शिवसेना (यूबीटी) के नेता अनिल देसाई का मुकाबला मुंबई दक्षिण-मध्य में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के राहुल शेवाले से है। हम आपको बता दें कि अनिल देसाई हाल तक राज्यसभा सदस्य थे, वहीं राहुल शेवाले मौजूदा लोकसभा सदस्य हैं। इसके अलावा, मुंबई उत्तर-पश्चिम में उद्धव ठाकरे खेमे के अमोल कीर्तिकर का मुकाबला सत्तारुढ़ शिवसेना के रवींद्र वायकर से होगा। रवींद्र वायकर पहले शिवसेना (यूबीटी) में थे, वह हाल ही में शिंदे खेमे में शामिल हुए हैं। वह वर्तमान में मुंबई में जोगेश्वरी पूर्व विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इसके अलावा, कांग्रेस विधायक वर्षा गायकवाड़, जो पार्टी की मुंबई इकाई की अध्यक्ष भी हैं वह मुंबई उत्तर-मध्य में भाजपा द्वारा मैदान में उतारे गए प्रसिद्ध वकील उज्ज्वल निकम के खिलाफ लड़ रही हैं, जबकि केंद्रीय मंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता पीयूष गोयल मुंबई उत्तर में कांग्रेस के भूषण पाटिल से मुकाबला करेंगे। हम आपको बता दें कि वर्षा गायकवाड़ जहां मुंबई में धारावी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं, वहीं पीयूष गोयल राज्यसभा सदस्य हैं। इसके अलावा, मुंबई नॉर्थ-ईस्ट में भाजपा के मिहिर कोटेचा का मुकाबला शिवसेना यूबीटी के संजय दीना पाटिल से होगा। मिहिर कोटेचा मुंबई के मुलुंड विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं।

मुंबई उत्तर-मध्य से अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद, वर्षा गायकवाड़ ने उद्धव ठाकरे से मुलाकात की थी। इस दौरान उद्धव ने उन्हें अपना समर्थन देने का वादा किया और कहा कि उन्हें एक सांसद के रूप में दिल्ली भेजा जाएगा। यह पहली बार होगा कि ठाकरे किसी कांग्रेस उम्मीदवार को वोट देंगे क्योंकि बांद्रा स्थित उनका आवास मुंबई उत्तर-मध्य निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। गौरतलब है कि कांग्रेस और शिवसेना 2019 तक मुंबई में पारंपरिक रूप से राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रहे हैं। वैसे दोनों पार्टियां सत्ता में पद पाने के लिए कई मौकों पर रणनीतिक साझेदारी करती रही हैं खासकर मुंबई नगर निकाय में। 2019 में उद्धव ठाकरे के पाला बदलने के बाद से तो दोनों दलों के बीच अच्छी दोस्ती देखने को मिल रही है।

मुंबई में 2014 के बाद से कांग्रेस मुंबई की सभी लोकसभा सीटें हारी है जबकि 2019 के विधानसभा चुनाव में वह यहां की 36 में से केवल पांच सीटें ही जीत सकी थी। मुंबई दक्षिण के पूर्व सांसद मिलिंद देवड़ा के शिवसेना में चले जाने और मुंबई उत्तर-मध्य की पूर्व सांसद प्रिया दत्त के दोबारा चुनाव लड़ने से इंकार करने के कारण, कांग्रेस के पास मैदान में उतारने के लिए कोई उम्मीदवार नहीं था। पार्टी नेता संजय निरुपम वहां से लड़ना चाहते थे,लेकिन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में समान सीट-बंटवारा करा पाने में असमर्थ रहे कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना के लिए उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था।

भाजपा ने सभी तीन मौजूदा सांसदों को बदल दिया है, जबकि शिंदे की शिवसेना ने केवल राहुल शेवाले (मुंबई दक्षिण-मध्य) को फिर से नामांकित किया है। मुंबई उत्तर-पश्चिम के चुनावों में अजीब स्थिति देखने को मिल रही है क्योंकि शिवसेना ने यहां से गजानन कीर्तिकर की जगह रवींद्र वायकर को उतारा है। खास बात यह है कि गजानन कीर्तिकर के बेटे अमोल कीर्तिकर को इस सीट से शिवसेना यूबीटी ने टिकट दिया है लेकिन गजानन कीर्तिकर का कहना है कि वह राजधर्म का पालन करते हुए अपने बेटे के खिलाफ चुनाव प्रचार करेंगे।

जमीनी स्तर पर जो तस्वीर उभर रही है, उसके अनुसार, शिव सेना (यूबीटी) और कांग्रेस कैडर के बीच ज़मीनी स्तर पर अच्छी पकड़ हो गई है और इनके कार्यकर्ता मिल कर काम करते दिख रहे हैं लेकिन चुनाव प्रबंधन के मामले में यह भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति से पीछे हैं। महायुति में शामिल भाजपा, शिवसेना और एनसीपी जिस तरह सधे हुए अंदाज में चुनाव प्रचार चला रहे हैं, उसका असर हर जगह दिख रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा भी मुंबई में रखवाई जा रही है जिससे चुनाव प्रचार की दशा और दिशा ही बदल जायेगी। इसके अलावा भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने मुंबई आकर बुद्धिजीवियों, प्रोफेशनल्स और समाज के विभिन्न वर्गों की अलग-अलग बैठकें कर उनको यह समझाना शुरू कर दिया है कि क्यों देश के लिए तीसरी बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व जरूरी है। महिलाओं से तो हमने जहां भी बात की वहां पर सभी ने मोदी मोदी के नारे लगाने शुरू कर दिये।

देखा जाये तो 2024 के लोकसभा चुनाव महाराष्ट्र के लिए भी बड़े मायने रखते हैं क्योंकि 2019 में हुए राजनीतिक फेरबदल के बाद यह पहली बड़ी चुनावी परीक्षा होगी। लेकिन इस परीक्षा के दौरान जिस तरह हिंदुत्व और राष्ट्रवाद का मुद्दा हावी है वह दर्शा रहा है कि सत्तारुढ़ गठबंधन एक बार फिर सभी सीटों पर विजय हासिल कर सकता है। वैसे तो महायुति और महा विकास अघाड़ी के बीच सीधी टक्कर होनी है लेकिन जिस तरह मुंबई उत्तर मध्य के चुनावी मैदान में एआईएमआईएम तथा यूपी स्थित राष्ट्रीय उलेमा काउंसिल (आरयूसी) ने मुंबई उत्तर मध्य और मुंबई उत्तर पूर्व से मोहम्मद सिराज इकबाल शेख को भी मैदान में उतारा है उससे भाजपा विरोधी मतों का बंटवारा होना निश्चित है जिससे भगवा पार्टी की राह आसान हो जायेगी।

हम आपको बता दें कि मुंबई को मुंबई शहर और मुंबई उपनगरीय जिले में विभाजित किया गया है। मुंबई दक्षिण और मुंबई दक्षिण-मध्य निर्वाचन क्षेत्र मुंबई शहर में हैं, जबकि बाकी निर्वाचन क्षेत्र मुंबई उपनगरीय क्षेत्रों में हैं। मुंबई शहर में 24 लाख से अधिक मतदाता हैं, जबकि उपनगरीय क्षेत्रों में 74 लाख मतदाता हैं।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सिसोदिया की जमानत याचिका पर अब 13 मई को सुनवाई

- दिल्ली हाईकोर्ट ने ईडी-सीबीआई को जवाब देने के लिए और 4 दिन का समय दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। शराब नीति केस में जेल में बंद दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट अब 13 मई को सुनवाई करेगा। ईडी और सीबीआई के वकीलों ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से कहा कि हमें जवाब दाखिल करने के लिए एक हफ्ते का समय चाहिए। जांच एजेंसी के वकीलों ने कहा कि हमारे जांच अधिकारी व्यस्त हैं। सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले में एक अन्य आरोपी के मामले को भी हम देख रहे हैं, इसलिए हमें जवाब दाखिल करने के लिए 7 दिन का समय दीजिए। मनीष सिसोदिया के वकील विवेक जैन से जांच एजेंसी की मांग का विरोध किया। उन्होंने कहा- एजेंसीज डेढ़ साल से अधिक समय से इसकी जांच कर रहे हैं। हम 6 महीने के अंदर ट्रायल खत्म कर देंगे।

संविधान सर पर लेकर नाचने वाले लोग देश का कर रहे अपमान

- सैम पित्रोदा के बयान को लेकर कांग्रेस पर हमलावर हुए प्रधानमंत्री मोदी
- राहुल को लेकर कहा-शहजादे ने अडाणी-अंबानी को गाली देना बंद किया
- बताएं-रातों-रात ऐसी क्या डील हुई, जो चुप्पी साध ली, क्या टेंपो भरकर माल पहुंचा है

करीमनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को तेलंगाना के करीमनगर में पहली बार अडाणी-अंबानी का नाम लेते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- पिछले 5 सालों से कांग्रेस के शहजादे दिन-रात एक ही माला जपते थे। 5 उद्योगपति, अंबानी और अडाणी लेकिन जब से चुनाव घोषित हुआ है, इन्होंने अंबानी-अडाणी को गाली देना बंद कर दिया है...क्यों। पीएम ने कहा- मैं कांग्रेस के शहजादे से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने अडाणी और अंबानी से कितना माल उठाया है। पीएम ने कहा- आज मैं बहुत गुस्से में हूं। लोग मुझे गाली दें तो मैं सह लूंगा लेकिन शहजादे के फिलॉसफर ने देश के लोगों को इतनी बड़ी गाली दी है कि मेरे मन में गुस्सा भर गया है। संविधान सर पर लेकर नाचने वाले लोग देश का अपमान कर रहे हैं।

कांग्रेस एससी-एसटी का आरक्षण मुस्लिमों को देना चाहती है

कांग्रेस पार्टी एससी, एसटी और दलितों के लिए आरक्षण का अधिकार छीनना चाहती है और मुस्लिम समुदाय को देना चाहती है। कल्याण न तो उनका दृष्टिकोण है और न ही एजेंडा। कांग्रेस केवल अपना वोट बैंक सुरक्षित रखना चाहती है। यह भ्रष्ट पार्टी पूरी तरह से तुष्टिकरण की नीति में डूबी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा– कांग्रेस के लोग मैग्नीफाइंग ग्लास लेकर अपनी सीटें खोज रहे हैं। चौथे चरण में कांग्रेस का सामान्य मैग्नीफाइंग ग्लास से काम नहीं चलेगा।

तेलंगाना के लोगों ने मेरा 10 साल का काम देखा

प्रधानमंत्री ने कहा– तेलंगाना के लोगों ने पिछले 10 साल में मेरा काम देखा है। आपके एक वोट ने भारत को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया। आपके एक वोट ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया और जम्मू–कश्मीर में शांति और समृद्धि सुनिश्चित की। आपके एक वोट ने भारत को रक्षा आयातक से रक्षा निर्यातक बना दिया। पीएम ने कहा– हमारा पूरा देश संभावनाओं से भरा हुआ है, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने अपने पूरे शासनकाल में हमारे लोगों की क्षमता को बर्बाद करने के अलावा कुछ नहीं किया। कांग्रेस पार्टी ने हमारी अर्थव्यवस्था को नष्ट कर दिया, कृषि और कपड़ा क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाया। कांग्रेस ही देश में समस्याओं की सबसे बड़ी जननी है। प्रधानमंत्री ने कहा– भाजपा नेशन फर्स्ट सिद्धांत में विश्वास करती है, लेकिन दूसरी ओर कांग्रेस और बीआरएस तेलंगाना में फैमिली फर्स्ट सिद्धांत पर काम करते हैं। कांग्रेस और बीआरएस पूरी तरह से परिवार द्वारा, परिवार के लिए हैं। ये दोनों पार्टियां एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कांग्रेस और बीआरएस को एक साथ बांधने वाला एकमात्र गोंद भ्रष्टाचार है। तुष्टिकरण की राजनीति ही उनका एजेंडा है। कांग्रेस और बीआरएस जीरो गवर्नेंस मॉडल फॉलो करते हैं। इसलिए हमें तेलंगाना को इन पार्टियों के भ्रष्ट चंगुल से बचाने की जरूरत है।

सुप्रभात

देखी आग,आग की कविता
देखी अंग राग की कविता
देखी दौड़ भाग की कविता
देखी विषम राग की कविता
देखी मौन स्वप्न की कविता
देखी मुखर रंग की कविता
देखी जगर मगर की कविता
देखी अगर मगर की कविता
देखी कविता तरह–तरह की
फिर खुद से ही बात–जिरह की।

– संतोष चौबे

एमपी-राजस्थान में तीन दिन हीटवेव का अलर्ट

दिल्ली में तापमान 42 डिग्री पहुंचा, छत्तीसगढ़-झारखंड में बारिश, बिहार में बिजली गिरने से दो मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान और मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने दोनों राज्यों में आज से अगले दो दिन यानी 10 मई तक हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को राजस्थान के 9 और एमपी के 3 शहरों में तापमान 43 डिग्री या उससे ज्यादा दर्ज किया गया। राजस्थान का बाड़मेर और एमपी का दमोह देश के सबसे गर्म शहर रहे। यहां का तापमान क्रमशः 45.2 और 44.8 दर्ज किया गया। 10 और 11 मई को वेस्टर्न डिस्टरबेंस ऐक्टिव होने से दोनों राज्यों में आंधी और बारिश की संभावना है। इससे लू से राहत मिलेगी। 12 मई तक हीटवेव से राहत की उम्मीद है। दिल्ली में मंगलवार को सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। यहां अधिकतम तापमान 42 डिग्री दर्ज किया गया। 11 और 12 मई को हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। उत्तर प्रदेश के पूर्वी जिलों में 13 मई तक गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। दूसरी तरफ, छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड में मौसम ने करवट ली है। तीनों राज्यों में बारिश ने चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई है। छत्तीसगढ़ में आज और कल बारिश के आसार हैं। झारखंड में 10 मई तक बूंदाबांदी होगी। मौसम विभाग ने बिहार के सभी जिलों में आज खराब मौसम का यलो अलर्ट जारी किया है। कई जिलों में बारिश, गरज और आकाशीय बिजली के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। मंगलवार को बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हुई थी। तेलंगाना के कुछ हिस्सों में मंगलवार रात बेमौसम बारिश के बाद अलग-अलग घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई।

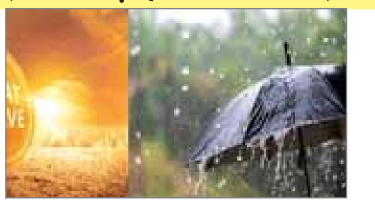

सैम पित्रोदा का ओवरसीज कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा

कहा था- भारत में ईस्ट वाले चीनी, साउथ वाले अफ्रीकन दिखते हैं; कांग्रेस ने किनारा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पित्रोदा ने अंग्रेजी अखबार को दिए इंटरव्यू में ये बयान दिया, जिसके बाद विपक्ष ने उनकी आलोचना की है। पित्रोदा ने अंग्रेजी अखबार को दिए इंटरव्यू में ये बयान दिया, जिसके बाद विपक्ष ने उनकी आलोचना की है। लोकसभा चुनाव के बीच विवादित बयानबाजी को लेकर घिरे कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से बुधवार को इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने कहा पित्रोदा ने अपनी मर्जी से इस्तीफा दिया है। ये बयान सामने आने के कुछ ही देर बाद कांग्रेस ने इससे किनारा कर लिया।

आज सीएम देवास में महेंद्रसिंह सोलंकी के समर्थन में 61 किलोमीटर का रोड शो करेंगे

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा रहेंगे साथ

देवास (नप्र)। देवास शाजापुर लोकसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्री महेंद्रसिंह सोलंकी के समर्थन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री डॉ मोहन यादव आज 9 मई 2024 दिन गुरुवार की 3.30 बजे खंडवा लोकसभा की बागली विधानसभा के बागली चापड़ा से हाटपीपल्या, नेवरी से नेवरी फाटा और यहां से भौंरासा फाटा होते हुए देवास में रोड शो में शामिल होंगे। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्री महेंद्रसिंह सोलंकी के समर्थन में रोड शो के माध्यम से आम जनता से भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान की अपील करेंगे। उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वी.डी शर्मा भी साथ रहेंगे। देवास जिला भाजपा मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र चौधरी व सह जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने जानकारी देते हुए बताया कि रोड शो से एक दिन पूर्व 8 मई मंगलवार को लोकसभा चुनाव केंद्रीय कार्यालय पर लोकसभा प्रभारी जगदीश अग्रवाल संयोजक बहादुर मुकाती, भाजपा जिला अध्यक्ष राजीव खंडेलवाल एवं भारतीय जनता पार्टी के समस्त कार्यकर्ताओं पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों ने पूरे रोड शो मार्ग की व्यवस्थाएं देखी एवं नागरिकों से अपील की कि आयोजित रोड शो में बागली विधानसभा में एवं हाटपीपल्या विधानसभा एवं सोनकच्छ विधानसभा एवं देवास विधानसभा में पधार रहे मप्र के मुख्यमंत्री श्री डॉ मोहन यादव एवं प्रदेशाध्यक्ष शर्मा का भव्य स्वागत करें। रोड शो मार्ग पर किन चौराहों पर स्वागत मंच बनेंगे वे भी चिन्हित किये गये। आयोजित होने वाले रोड शो में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्री महेंद्र सिंह सोलंकी, संभागीय प्रभारी जीतू जिराती, लोकसभा प्रभारी जगदीश अग्रवाल, लोकसभा संयोजक बहादुर मुकाती, भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष राजीव खंडेलवाल, तीनों विधानसभा के विधायक एवं वरिष्ठ नेता कार्यकर्ता भी उपस्थित रहेंगे। भारतीय जनता पार्टी के सभी मंडल अध्यक्षगणों, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, नपा अध्यक्ष सहित सभी कार्यकर्ताओं ने नगर के नागरिकों, व्यापारी बंधुओं कार्यकर्ताओं से रोड शो में शामिल होने, मुख्यमंत्री के भव्य स्वागत की अपील की है। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र चौधरी एवं सह मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

केरल में वेस्ट नाइल फीवर का अलर्ट जारी, 6 केस मिले

- एक मौत की खबर,मच्छरों के काटने से फैलती है बीमारी

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल सरकार के हेल्थ डिपार्टमेंट ने मंगलवार को राज्य में वेस्ट नाइल फीवर को लेकर अलर्ट जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य के कोझिकोड, त्रिशूर और मलप्पुरम

में छह मामले सामने आए हैं। वहीं, त्रिशूर में इस फीवर से 79 साल के बुजुर्ग की मौत की खबर है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक, यह बीमारी मच्छरों के काटने से होती है। फीवर के साथ उल्टी, दस्त और सिरदर्द की शिकायत होती है। वेस्ट नाइल फीवर के 10 में से 6 मामले में लक्षण नहीं दिखते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों का कोई ऑफिशियल डाटा शेयर नहीं किया है। हालांकि, सभी जिलों के प्री-मानसून क्लीनिंग ड्राइव के साथ निगरानी के निर्देश दिए हैं।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने दी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन को बधाई

मतदान बढ़ाने मिल-जुलकर करें प्रयास: मुख्य निर्वाचन आयुक्त

भोपाल(नप्र)। मतदाता वोट करने मतदान केन्द्रों तक आयें, इसके लिये मतदान केन्द्रों में सभी समुचित व्यवस्थायें की जायें। 'जीरो टॉलरेन्स फॉर वायलेन्स' का पालन सुनिश्चित करें। अंतिम 48 घंटों में विशेष निगरानी करें। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजीव कुमार ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये चौथे चरण में मतदान वाले सभी लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में नियुक्त केन्द्रीय प्रेक्षकों से चर्चा कर मतदान की तैयारियों की समीक्षा की। श्री राजीव कुमार ने मध्यप्रदेश में तीसरे चरण का मतदान शांतिपूर्ण सम्पन्न होने पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन को बधाई दी। वीसी में निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार एवं डॉ. एस.एस. संधू भी उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री कुमार ने कहा कि प्रेक्षक लगातार भ्रमण करते रहें। मतदान केन्द्र में मतदाताओं के लिये टेन्ट, पीने का पानी और ओआरएस आदि की व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें। मतदान बढ़ाने के लिये रिटर्निंग ऑफिसर, प्रेक्षक, स्वीप नोडल और पूरी निर्वाचन टीम सभी मिल-जुलकर सामूहिक प्रयास करें।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 42°c
न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 09 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

अब खरगे-प्रियंका संभालेंगे प्रचार की कमान

राहुल रायबरेली में देंगे ध्यान, आधा चुनाव बीतने के बाद कांग्रेस ने बदला प्लान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में पिछले दो चरणों में शेष 24 सीटों में से कांग्रेस केवल छह सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसलिए राहुल गांधी के महाराष्ट्र में प्रचार करने की संभावना नहीं के बराबर है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और प्रियंका गांधी वाड्रा कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए रैलियां करेंगी। 13 मई को होने वाले चौथे चरण में कांग्रेस पुणे, जालना और नंदुरबार लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। राहुल गांधी पहले ही पुणे में एक रैली कर चुके हैं।
प्रियंका गांधी 10 मई को नंदुरबार में प्रचार करेंगी। पांचवें चरण में पार्टी उत्तर महाराष्ट्र की धुले और मुंबई की दो सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यहां प्रचार के लिए पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे 15 मई को एक रैली कर सकते हैं। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में रायबरेली सीट से चुनाव लड़ रहे हैं जहां 20 मई को चुनाव होगा। वह वहां और देश के अन्य हिस्सों में भी प्रचार करेंगे। हमारे यहां कई नेता

प्रचार कर रहे हैं, जिनमें खरगे और प्रियंका भी शामिल हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 मई को नासिक, भिवंडी और मुंबई में तीन चुनावी रैलियों को संबोधित करने वाले हैं। 17 मई को वह मुंबई में एक रोड शो भी करेंगे। केंद्रीय मंत्री अमित शाह के भी 12 मई को एक रैली करने की संभावना है। महाराष्ट्र में लगातार दौरे को लेकर पीएम पर निशाना साधते हुए शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा,हम नरेंद्र मोदी का दक्षिण मुंबई के पेडर रोड पर और अमित शाह का बोरीवली में डेरा जमाने के लिए स्वागत करते हैं। वे दोनों जितनी बार महाराष्ट्र आ रहे हैं, उन्हें अब यहीं घर मिल जाना चाहिए। राउत ने कहा, कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कितनी बार यहां आते हैं और मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं।

उत्तराखंड जंगलों की आग पर नजर आई 'सुप्रीम' सख्ती

● सरकार-याचिकाकर्ताओं को दिया निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग मामले में बुधवार 8 मई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार और याचिकाकर्ताओं से कहा कि मामले की रिपोर्ट सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी से शेयर करें और उनसे ओपिनियन लें। इस मामले में अब 15 मई को सुनवाई होगी।

उत्तराखंड सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नवंबर 2023 से अब तक जंगलों में आग लगने की 398 घटनाएं हो चुकी हैं। हर बार ये आग इंसानों द्वारा लगाई गई। उत्तराखंड में अप्रैल के पहले हफ्ते से लगी आग से अब तक 11 जिले प्रभावित हैं। इसमें गढ़वाल मंडल के पौड़ी रुद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी, टिहरी ज्यादा प्रभावित हैं और देहरादून का कुछ हिस्सा शामिल है। जबकि कुमाऊं मंडल का नैनीताल, चंपावत, अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़ ज्यादा प्रभावित हैं।

कनाडाई विदेश मंत्री बोलीं-भारत पर लगे आरोपों पर कायम

● निज्जर की हत्या में उनका हाथ

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा ने एक बार फिर से खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारत पर लगाए गए आरोपों को दोहराया है। कनाडा की विदेश मंत्री मेलेनी जोली ने कहा,हम अभी भी यही मानते हैं कि भारतीय एजेंट्स ने कनाडाई धरती पर हमारे नागरिक की हत्या करवाई। दूसरी तरफ कनाडा में मौजूद भारत के हाई कमिश्नर संजय कुमार वर्मा ने कहा, भारत की क्षेत्रीय अखंडता पर बुरी नजर डालना लक्ष्मण रेखा पार करने जैसा है। भारत का भविष्य अब विदेशी नहीं, बल्कि भारतीय खुद तय करेंगे। मीडिया से बात करते हुए कनाडा की विदेश मंत्री जोली ने बताया कि निज्जर की हत्या की जांच रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस कर रही है। जोली ने कहा, कनाडा की प्राथमिकता देश के नागरिकों की रक्षा करना है। जोली ने आगे कहा, हम उन आरोपों पर भी कायम हैं जिसमें कहा गया था कि भारतीय एजेंट्स ने कनाडा की धरती पर एक शख्स की हत्या की।

यात्री ध्यान दें...

कठिन हुआ 'सफर', मुश्किल में एअर इंडिया एक्सप्रेस

● बीमारी का बहाना बनाकर 200 सीनियर क्रू-मेंबर्स एक साथ गए छुट्टी पर
● 80 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसल,एयरलाइन ने कहा-पैसेंजर्स को पूरा रिफंड मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया एक्सप्रेस के सीनियर क्रू-मेंबर्स एक साथ छुट्टी पर चले गए हैं। क्रू-मेंबर्स ने छुट्टी की वजह बीमारी बताई है। इसके चलते एयरलाइन को 80 से ज्यादा उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। एयरलाइन ने पैसेंजर्स को सलाह दी है कि बुधवार को एयरपोर्ट आने से पहले अपनी फ्लाइट की जानकारी जरूर ले लें। केबिन-क्रू की कमी के चलते आज भी कई फ्लाइट्स कैंसिल हो सकती हैं। एजेंसी के मुताबिक, टाटा ग्रुप की एयरलाइन के 200 से ज्यादा सीनियर क्रू-मेंबर्स छुट्टी पर गए हैं। जिन शहरों में फ्लाइट्स कैंसल हुई हैं, उनमें कोच्चि, कालीकट और बेंगलुरु शामिल हैं। फ्लाइट कैंसिल होने के बाद एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने बताया कि हमारे केबिन-क्रू ने मंगलवार रात अचानक बीमार होने

की सूचना दी है, जिसके बाद कुछ उड़ानों में देरी हुई और कुछ रद्द कर दी गई हैं। हम क्रू से बातचीत कर रहे हैं ताकि यात्रियों की असुविधा कम हो सके। एयरलाइन ने बताया कि जिन उड़ानों रद्द होने से प्रभावित पैसेंजर्स को या तो एयरलाइन से पूरा रिफंड मिलेगा या वे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपनी उड़ान को री-शेड्यूल कर सकेंगे। इसके अलावा, प्रवक्ता ने बुधवार को एयरलाइन से उड़ान भरने वाले यात्रियों को एयरपोर्ट पहुंचने से पहले एयरलाइन से संपर्क करने की सलाह दी, ताकि वे फ्लाइट कंफर्म कर सकें। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ केबिन क्रू मेंबर मिसमैनेजमेंट और स्टाफ के साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार का विरोध कर रहे हैं, इसीलिए उन्होंने बीमारी को वजह बताकर छुट्टी ली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि केबिन क्रू के बीच असंतोष बढ़ रहा है।

भोपाल के यू ट्यूबर भूपेंद्र जोगी पर जानलेवा हमला

2 बदमाशों ने चलती बाइक पर किया वार, मुंबई में 8 दिन बाद होना था ऑडिशन

भोपाल (नप्र)। भोपाल के मालवीय नगर में फेमस यू ट्यूबर भूपेंद्र जोगी पर जानलेवा हमला हो गया। मोपेड सवार 2 युवकों ने वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी चेहरे पर नकाब पहने हुए थे। मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घायल युवक का निजी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।
जानकारी के मुताबिक बरखेड़ी जोगीपुरा निवासी भूपेंद्र जोगी (38) न्यू मार्केट में कपड़ों की दुकान चलाते हैं। इसी के साथ यूट्यूब के लिए वीडियो भी बनाते हैं, और इस प्लेटफॉर्म पर उनके ढाई लाख से अधिक फॉलोवर हैं।
भूपेंद्र ने बताया कि हर रोज की तरह मंगलवार को दुकान बंद कर रात करीब 10:15 बजे घर के लिए निकला था। अरेरा हिल्स थाने के नजदीक बापू की कुटिया के पास मोपेड सवार 2 युवकों ने पीछे से कंधे पर हमला कर दिया। गिरते ही ने एक वार हाथ में किया। इसके बाद बदमाश फरार हो गए।

निमाड़ में कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे वीडी शर्मा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को बुरहानपुर जिले के नेपानगर, बुरहानपुर और खंडवा जिले के खंडवा में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा का यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार ऐतिहासिक बहुमत से प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। आज किसान सम्मान निधि और लाड़ली बहना जैसी योजनाओं की पूरी राशि हितग्राहियों के खातों में आती है, एक रुपया भी दलालों या बिचौलियों के पास नहीं जाता। देश में कहीं आतंकवादी घटनाएं नहीं होतीं और सारी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। कांग्रेस को देश की जनता की संपत्ति पर डाका नहीं डालने दिया जाएगा। देश को आतंकवाद और भ्रष्टाचार से मुक्त तथा विकसित भारत बनाने के लिए नरेंद्र मोदी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना जरूरी है। खण्डवा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा विशेष रूप से उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में अब तो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी कह रहे हैं कि चुनाव तो भाजपा ही जीत रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने इंदौर से कांग्रेस के प्रत्याशी द्वारा नामांकन वापस लेने को लेकर कहा है कि कैसे भी भाजपा चुनाव जीत रही है। इसका मतलब पूरी तरह से स्पष्ट है कि कांग्रेस भी मान रही है कि यह लोकसभा चुनाव भाजपा ऐतिहासिक मतों से जीत रही है और नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन रहे हैं।

चुनाव के लिए बीजेपी कुछ भी कर सकती है

एक और कांग्रेसी ने पुंछ आतंकी हमले पर उठाया सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बाद एक और कांग्रेस नेता और पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने हाल ही में पुंछ आतंकी हमले को लेकर सतारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि भाजपा पार्टी चुनाव के दौरान कुछ भी कर सकती है। मंगलवार को उन्होंने कहा, पुलवामा हमला अभी भी एक रहस्य बना हुआ है, जिसको लेकर तत्कालीन उपराज्यपाल सत्यपाल मलिक भी सवाल उठा चुके हैं। इसमें कुछ भी नया नहीं है। भाजपा चुनाव के दौरान कुछ भी कर सकती है। आपको बता दें कि वारिंग लुधियाना सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। फरवरी 2019 में जैश-ए-मोहम्मद द्वारा किया गया पुलवामा हमला लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हुआ था। इसके कुछ दिनों के बाद भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के अंदर बालाकोट में जवाबी हमले किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने चुनाव में लगातार दूसरी बार बहुमत हासिल किया। भाजपा सरकार ने चुनावी लाभ के लिए आतंकवादी हमले की इजाजत दी।

मोदी के नफरती भाषणों पर ऐक्शन नहीं लेता है ईसी

नोटिस भी पार्टी को भेजा, अब हाईकोर्ट पहुंची कांग्रेस

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) ने मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग को लेकर एक याचिका दायर की है। याचिका में हाईकोर्ट से आग्रह किया गया है कि वह भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को मौजूदा चुनावी मौसम के दौरान कथित तौर पर नफरत भरे भाषण देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दे। याचिका में कहा गया है कि मोदी के नफरत भरे भाषणों के खिलाफ चुनाव आयोग में कई शिकायतें दर्ज की गई थीं, लेकिन उसने सीधे नरेंद्र मोदी से सवाल करने के बजाय भारतीय जनता

पार्टी (भाजपा) को केवल एक कारण बताओ नोटिस जारी किया है। याचिका में कहा गया है कि नफरत फैलाने वाले भाषणों के लिए मोदी खुद अपराधी हैं। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, याचिका में कहा गया है,मोदी इन भड़काऊ टिप्पणियों, अपमानजनक और विभाजनकारी भाषणों के लिए पूरी तरह जिम्मेदार हैं। ईसीआई की यह उदारता नागरिकों को गलत संकेत भेजती है और हमारे देश की पूरी चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को कमजोर करती है। इस मामले का उल्लेख आर कलाईमथी की अवकाश पीठ के समक्ष किया गया।

कश्मीर के कुलगाम में आतंकियों का फिर एनकाउंटर शुरू

सुरक्षाबलों ने मंगलवार को लश्कर कमांडर बासित को किया था ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में रेडवानी पाईन इलाके में बुधवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच फिर मुठभेड़ शुरू हो गई है। इससे पहले मंगलवार को मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया था। मरने वालों में आतंकी लश्कर का टॉप कमांडर बासित डार भी था, जिस पर 10 लाख रुपए का इनाम था।
वह कश्मीर में कई लोगों की हत्या में शामिल रहा है। वहीं, मारा गया दूसरा आतंकी फहीम अहमद था, जो आतंकियों की मदद करता था। वहीं, दूसरी तरफ पुंछ में वायुसेना के काफिले पर हमला करने वाले आतंकियों को पकड़ने के लिए बुधवार को लगातार पांचवें दिन तलाशी अभियान जारी है।

रीति-रिवाज

लिव इन रिलेशनशिप में नहीं रह सकते हैं मुसलमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने हाल ही में अपने एक अहम फैसले में कहा है कि इस्लाम धर्म को मानने वाला कोई भी शख्स लिव-इन रिलेशनशिप में रहने का दावा नहीं कर सकता है। खासकर तब, जब पहले से उसकी कोई जीवित जीवनसंगिनी हो। कोर्ट ने कहा कि मुसलमान जिस रीति-

रिवाज को मानते हैं, वह उन्हें लिव-इन रिलेशनशिप में रहने का अधिकार नहीं देता है। जस्टिस अताउर्रहमान मसूदी और जस्टिस अजय कुमार श्रीवास्तव की बेंच ने कहा कि जब किसी नागरिक के वैवाहिक स्थिति की व्याख्या पर्सनल लॉ और संवैधानिक अधिकारों यानी दोनों कानूनों के तहत की जाती है, तब धार्मिक रीति-रिवाजों को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा कि सामाजिक और धार्मिक रीति-रिवाज एवं प्रथाएं इसकी इजाजत नहीं देतीं।

पतंजलि केस में आईएमए की भी बढ़ गईं मुश्किलें

बालकृष्ण की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने थमाया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भ्रामक विज्ञापन से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में चल रही कार्यवाही को लेकर टिप्पणी करने को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) प्रमुख डॉ. आरवी अशोकन की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। शीर्ष अदालत ने मंगलवार को डॉ. अशोकन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस हिमा कोहली और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण की ओर से आईएमए प्रमुख डॉ. अशोकन के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर दाखिल अर्जी पर विचार करते हुए यह नोटिस जारी किया है। मामले की

सुनवाई के दौरान पीठ ने मामला लंबित रहने के दौरान आईएमए अध्यक्ष डॉ. अशोकन द्वारा दिए गए साक्षात्कार पर कड़ी फटकार लगाई। जस्टिस कोहली ने कहा कि जब मामला अदालत में लंबित है, ऐसे में आपका (आईएमए के वकील) मुवक्किल इस बारे में साक्षात्कार कैसे दे सकता है। पीठ ने आईएमए के वकील से कहा कि ऐसे मामले में जहां आपके मुवक्किल का अध्यक्ष प्रेस में जाता है और उस मामले में बयान देता है जो विचाराधीन है। आप ही हैं जिन्होंने दूसरे पक्ष से कहलवाया कि वे भ्रामक विज्ञापन चला रहे हैं, आप क्या कर रहे हो अदालत पर टिप्पणियां कर रहे हैं।

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल

प्रज्वल के पिता एचडी रेवन्ना अब 14 मई तक रिमांड पर

● डिप्टी सीएम शिवकुमार बोले-कुमारस्वामी ने अपने भतीजे प्रज्वल के वीडियो सर्कुलेट कराए

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल की विक्टिम के अपहरण के आरोपी और पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा के बेटे एचडी रेवन्ना की पुलिस रिमांड 14 मई तक बढ़ा दी गई है। रेवन्ना को एसआईटी ने 3 मई को विक्टिम के बेटे की शिकायत पर गिरफ्तार किया था। वहीं, मंगलवार शाम रेवन्ना की तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बैचेनी की शिकायत की थी। डॉक्टरों ने उनका चेकअप किया और रिपोर्ट्स नॉर्मल आने पर उन्हें

एसआईटी अधिकारियों के साथ वापस एसआईटी हेडक्वॉर्टर भेज दिया। इधर, कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने प्रज्वल रेवन्ना के आपत्तिजनक वीडियो फैलाए हैं। कुमारस्वामी एचडी रेवन्ना के भाई और प्रज्वल के चाचा हैं।

इंदौर में भाजपा पार्षद ने हटवाए नोटा के पोस्टर

मंत्री विजयवर्गीय के क्षेत्र-1 की घटना, कांग्रेस बोली- यही तो तानाशाही है..

इंदौर (नप्र)। इंदौर की लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी की नामवापसी के बाद पार्टी ने नोटा का ही बटन दबाने का अभियान छेड़ दिया है। जवाब में बीजेपी ने रणनीति बदली है। कांग्रेस प्रत्याशी के मैदान में रहते बीजेपी ने 8 लाख वोटों से चुनाव जीतने का लक्ष्य रखा था उस टारगेट को बढ़ाकर 11 लाख कर दिया है।

कांग्रेस के नोटा अभियान के बीच बुधवार को का मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की विधानसभा 1 के वार्ड 6 से पार्षद संध्या यादव का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में पार्षद यादव ऑटो रिक्शा के पीछे लगे नोटा अभियान के पोस्टर को हटाती नजर आ रही हैं। यह वीडियो कांग्रेस नेत्री शोभा ओझा ने बुधवार को ट्वीट किया है। कांग्रेस ने इसे तानाशाही बताया है, जबकि पार्षद यादव का कहना है कि एक जागरुक नागरिक के तौर पर उन्होंने पोस्टर हटाया। जनता कांग्रेस को 13 मई को जवाब देगी। प्रदेश कांग्रेस महासचिव राकेश सिंह यादव ने पूरी घटना की शिकायत चुनाव आयोग से की है। यादव ने कहा कि यह भाजपा की गुंडागर्दी हैं।

ये बोली पार्षद संध्या यादव

मामले में पार्षद संध्या यादव का कहना है कि एक जागरूक नागरिक के तौर पर उन्होंने ऑटो रिक्शा से पोस्टर हटाया। रिक्शा चालक से जब पूछा तो उसे पता ही नहीं था कि नोटा क्या है। उसे कांग्रेसियों ने 50 रुपए दिए थे और कहा था कि थोड़ी देर पोस्टर लगे रहने देना। बाद में हटा देना। नोटा कोई उम्मीदवार तो नहीं है। जिस प्रकार स्वच्छता में इंदौर नंबर वन आया है, उसी तरह मतदान में भी नंबर वन आएगा। कांग्रेस जनता को भ्रमित कर रही है। उनके प्रत्याशी ने बीजेपी की विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी जॉइन की है। अक्षय बम के बीजेपी में आने पर ताई के विरोध को लेकर पार्षद यादव ने कहा कि ताई हमारी वरिष्ठ नेता है, उनके बारे में कुछ नहीं कहना।

विजयवर्गीय ने बूथ कार्यकर्ताओं को सबसे ज्यादा मतदान की शपथ दिलाई

इंदौर में 11 लाख वोटों का टारगेट सेट करने के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एक्टिव हो गए हैं। सोशल मीडिया पर बुधवार को उनका भी एक वीडियो वायरल हुआ। वे बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कह रहे हैं कि आज आप लोग संकल्प लेकर उठेंगे कि हमारे बूथ पर सबसे ज्यादा वोट पड़ेंगे। लोग कहें कि इंदौर स्वच्छता में नंबर वन है उसी तरह इंदौर की लोकसभा का उम्मीदवार भी जीत में नंबर वन है। ये रिकॉर्ड कोई बना सकता है तो वो हैं हमारे कार्यकर्ता। कुछ लोग नोटा का माहौल बना रहे हैं लेकिन हमारे शहर की जनता नकारात्मकता में पड़ने वाली नहीं है। जो नकारात्मकता फैलाता है उसे जनता बोरिया बिस्तर बांधकर रवाना कर देती है। और जो सकारात्मक काम करता है, जो नया सवेरा दिखाता है वही इस शहर का नेता बनता है।

पश्चिम क्षेत्र में तेज हवा के साथ हुई बारिश

अन्नपूर्णा और राजेंद्र नगर इलाके में गिर रहा पानी; पूर्वी क्षेत्र में बादल छाए

इंदौर (नप्र)। इंदौर के पश्चिमी क्षेत्र बुधवार दोपहर अचानक बारिश शुरू हो गई है। पश्चिम क्षेत्र के अन्नपूर्णा और राजेंद्र नगर इलाके में हल्की बूंदाबांदी होने से मौसम बदल गया। जिससे लोगों को भारी गर्मी से राहत मिली। वहीं पूर्वी क्षेत्र में भी बादल छाए हुए है।

इन दिनों गर्मी कहर बरपा रही है। मई के पहले हफ्ते में ही गर्मी के तेवर इतने तीखे हैं कि हाल बेहाल हो गए हैं। इस बार पहले हफ्ते में ही दो दिन ऐसे रहे जब दिन का पारा 40 डिग्री के पार जा पहुंचा। स्थिति यह है कि इन दिनों रोज 12 बजे बाद गर्म हवाओं के थपेड़े चल रहे हैं। लोग पसीने में तर हो रहे हैं। दिन में इसका असर जन जीवन पर दिख रहा है। खास बात यह कि इस बार मई के पहले हफ्ते ने पिछले साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। पिछले साल की तुलना में इस बार दिन का औसतन तापमान 4 डिग्री बना हुआ है। रात का तापमान 2 डिग्री ज्यादा है।

इस हफ्ते के शुरुआती दो-तीन दिन दोपहर बाद बादल छाए लेकिन इसके बाद मौसम ही बदल गया। रोज सुबह 9 बजे बाद ही धूप तेजी से चढ़ रही है। दिन में ऐसी तपिश है कि वाहन चालक रेड सिग्नल पर रुकने के दौरान छायादार स्थान पर रुक रहे हैं। मंगलवार को दिन में 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा ने लोगों को हलाकान कर दिया।

इस बार पहले हफ्ते में तापमान 37 डिग्री से ज्यादा ही रहा जबकि पिछले साल 32 डिग्री से ज्यादा था। पिछले साल 7 मई को तापमान 42 डिग्री के करीब पहुंचा था। इस बार औसतन तापमान ने पिछले साल को खासी टक्कर दी और 4 डिग्री ज्यादा बना हुआ है। शहर में इन दिनों रातें भी काफी गर्म है। इस हफ्ते रात का तापमान 21 डिग्री से ज्यादा रहा। 4 मई की रात का तापमान तो 27 (+3) डिग्री सेल्सियस रहा।

आमतौर पर इतना तापमान मई के आखिरी हफ्ते में रहता है। यह भी अपने आप में एक रिकॉर्ड रहा। पिछले साल मई के पहले हफ्ते में रात का तापमान 19 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा। अभी रात का औसतन तापमान भी पिछले साल से 2 डिग्री ज्यादा बना हुआ है।

मौसम वैज्ञानिक डॉ. एचएल खापडिया (एग्रीकल्चर कॉलेज) ने बताया कि एक हफ्ते में तापमान में 2 डिग्री तक का इजाफा हो सकता है। इस दौरान बीच-बीच में बादल छाने के भी आसार हैं।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती फिर किया रेप

गर्भवती हुई तो आरोपी ने शादी से किया इनकार, एफआईआर दर्ज

इंदौर (नप्र)। इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर शादी का झांसा देकर रेप करने का मामला सामने आया है। पीड़िता के मुताबिक पति से तलाक के बाद वह इंदौर में रह रही है। आरोपी ने इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर उसके साथ रेप किया। डेढ़ माह बाद पीड़िता को गर्भ का पता चला तो उसने पुलिस से शिकायत कर दी। एमआईजी पुलिस के मुताबिक 30 साल की महिला ने बताया कि 2014 में उसकी शादी जयपुर में हुई थी। पति से विवाद के बाद 2019 में इंदौर आ गई। 2 साल बाद 2021 में उसका तलाक हो गया। इसके बाद इंस्टाग्राम पर उसकी 2023 में अभिषेक पुत्र अनिल रायकवार निवासी खजराना से दोस्ती हुई। अभिषेक ने पीड़िता के घर आना-जाना शुरू कर दिया। इस बीच अभिषेक ने पीड़िता को शादी का झांसा दिया और कई बार संबंध बनाए। कुछ दिन पहले उसने अभिषेक से संबंध नहीं बनाने देने के चलते मारपीट की और मोबाइल तोड़ दिया। बाद में पीड़िता की तबीयत बिगड़ी उसने जांच कराई तो पता चला कि उसे डेढ़ माह का गर्भ है।

इंदौर में 19 साल की छात्रा से मारपीट

परिचित युवक ने पहलो तोड़फोड़ की, विवाद के बाद छात्रा की मां को भी पीटा

इंदौर (नप्र)। इंदौर के राऊ में रहने वाली एक 19 साल की स्टूडेंट और उसकी मां से मारपीट का मामला सामने आया है। युवती के ही परिचित युवक ने उसके साथ मारपीट की है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज कर लिया है। राऊ पुलिस के मुताबिक समीक्षा गुप्ता निवासी न्यूयार्क सिटी की शिकायत पर यहीं रहने वाले पीयूष ओझा के खिलाफ केस दर्ज किया है। समीक्षा ने अपनी शिकायत में बताया कि वह स्टूडेंट है। न्यूयार्क सिटी में रहने वाले पीयूष को काफी समय से जानती है। कुछ समय पहले पीयूष से अनबन हो गई थी। 7 मई की देर रात समीक्षा जब घर पर थी तो नीचे से तोड़फोड़ की आवाज आ रही थी। गेट खोलकर देखा तो पीयूष नीचे से अपशब्द कह रहा था।
ऊपर आकर समीक्षा से मारपीट कर दी। सिर पकड़कर दरवाजे में मार दिया।
मां नीना बचाने आई तो पीयूष ने उनके साथ भी मारपीट की।

इंदौर में ग्राहक को ब्याज सहित रुपए लौटाएगा एसबीआई

रसीद दी लेकिन खाते में रुपए नहीं डाले; 13 साल बाद ग्राहक जीता केस

इंदौर (नप्र)। पिता ने बेटी का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए समृद्धि योजना में पैसा जमा कराया, बैंक ने उसकी रसीद भी दी। 4 साल बाद जब पॉलिसी मैच्योर हुई तो पिता बैंक में पैसा निकालने आए। लेकिन बैंक ने ऐसा कोई अकाउंट होने से ही साफ मना कर दिया। पिता ने इसके खिलाफ 13 साल तक केस लड़ा। अब उपभोक्ता आयोग ने पिता के पक्ष में फैसला दिया है। बैंक को ब्याज सहित पूरा पैसा लौटाने के निर्देश दिए। 40 हजार के बदले करीब 58 हजार रुपए देने होंगे। 25 हजार रुपए क्षतिपूर्ति और 10 हजार रु. केस व्यय अलग से देना होगा।

आयोग ने यह भी माना कि तत्कालीन कैशियर ने रुपए हड़प लिए, इसके बावजूद बैंक उसी का बचाव करती रही। बैंक ने साख बचाने के लिए मामले को मुकदमेबाजी में भी उलझाया।

मामला इंदौर के इंदौर के न्यायमित्र शर्मा (50) का है। उन्होंने बेटी के समृद्धि योजना में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में 40-40 हजार रुपए की तीन एफडी कराई थी। दो एफडी के 40-40 हजार रुपए अपने अकाउंट से ट्रांसफर किए। तीसरी एफडी के 40 हजार रुपए नकद दिए थे। रसीदें और तीन जमा प्रमाण पत्र भी प्राप्त किए। मैच्योरिटी डेट मार्च 2011 को जब बैंक से रुपए मांगे तो कहा गया कि आपकी दो ही रसीदें सही है, तीसरी गलती से जारी हुई थी। उसके पैसे नहीं मिलेंगे क्योंकि तब आपने केवल दो के ही रुपए जमा कराए थे, तीसरे के नहीं। यानी बैंक ने कहा कि जो 40 हजार रुपए नकद दिए थे, वो तब दिए ही नहीं गए थे। इसके खिलाफ न्यायमित्र ने कानूनी नोटिस भेजा, जब बैंक नहीं माना तो जिला उपभोक्ता आयोग की शरण ले ली। वहां से पक्ष में फैसला आया लेकिन बैंक ने राज्य आयोग में अपील कर दी। अब वहां से भी केस जीत गए हैं।

बैंक ने बचाव में कहा- मैन्युअली काम होने से रसीद जारी हो गई थी

राज्य आयोग में बैंक ने बचाव करते हुए कहा कि तब कम्प्यूटर में तकनीकी दिक्कत थी। इस कारण रसीद हाथ से बनाई दी जा रही थीं इसलिए तीन रसीदें जारी हुई थीं। दो रसीदों पर खाता नंबर दर्ज है जबकि तीसरी रसीद के रुपए जमा नहीं होने से सिर्फ रसीद नंबर ही दर्ज है। रसीद पर अधिकारी के साइन भी नहीं है। इसलिए गलती से बनी रसीद के लिए संबंधित को रुपए का भुगतान करने का सवाल ही नहीं उठता। सेवा में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं की गई।

रसीद से बैंक ने सिग्नेचर ही मिटा दिए थे

जवाब में न्यायमित्र शर्मा ने ओरिजनल रसीद की फोटोकॉपी पेश कर दी, जो उन्होंने कराई थी। इसमें बैंक के अधिकृत व्यक्ति के साइन के साथ ही बैंक की ओर से लगने वाली तारीख की सील भी थी। उन्होंने बताया कि गलती छुपाने के लिए बैंक ने व्हाइटनर लगाकर या और किसी तरह से साइन हटाकर, पेश किया था जिसका सच सामने है।

आयोग ने माना - कर्मचारी ने रुपए हड़प लिए, बैंक ने बचाव किया

आयोग ने शर्मा के दस्तावेज देखने के बाद माना कि बैंक की ओर से प्रस्तुति रसीद में साइन मिटाने की कोशिश हुई है। साइन किसने मिटाई, इस बारे में कोई खुलासा नहीं है। साइन मिटाने से बैंक को ही फायदा पहुंच रहा था। इस स्थिति में ये साफ हो जाता है कि बैंक के किसी कर्मचारी द्वारा संबंधित से जो नकद रुपए लिए गए, उसकी रसीद तो बनाई लेकिन उसके अकाउंट में रुपए नहीं डाले गए। बचाव में फिर कह दिया कि रसीद गलती से जारी हो गई। इससे आशंका बनती है कि नकद रुपए लेने वाले बैंक कर्मचारी ने खुद के लिए रुपयों का उपयोग कर लिया, उन्हें हड़प लिया। बैंक द्वारा अपने कर्मचारी और अपनी साख को बचाने के लिए झूठे और भ्रामक जवाब पेश किए गए।

इंदौर में कार पार्किंग विवाद में इमाम की पिटाई

पड़ोसी ने बेटों के साथ मिलकर पीटा, टेंट लगाने को लेकर हुई थी कहासुनी

इंदौर (नप्र)। इंदौर के आजाद नगर में पड़ोसी और उसके बेटों ने इमाम की पिटाई कर दी। इमाम ने अपने बेटे की शादी के लिए घर के बाहर और पास के खाली प्लाट पर टेंट लगाया था। पड़ोसी यहां कार पार्क करता था। टेंट लगाने को लेकर उसने आपत्ति ली थी। आजाद नगर पुलिस के मुताबिक मोहम्मद अनवर पुत्र पीर मोहम्मद निवासी यादव नगर की शिकायत पर इख्तार खान, लियाकत खान, शौकत खान और अनिष खान के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक मोहम्मद अनवर ने बताया कि वह मस्जिद में नमाज पढ़ाते हैं।

इंदौर में कॉपीराइट और ट्रेडमार्क उल्लंघन पर कोर्ट का फैसला

- फूड प्रोडक्ट कंपनी के नाम से बन रहा था नकली उत्पाद, कोर्ट ने दिए कार्रवाई के निर्देश

इंदौर (नप्र)। शहर के एक फूड प्रोडक्ट का अन्य कंपनी द्वारा कॉपीराइट और ट्रेडमार्क उल्लंघन पर दिल्ली की पटियाला कोर्ट ने ऑर्डर जारी कर कार्रवाई के निर्देश दिए है। जानकारी के मुताबिक राजशाही फूड प्रोडक्ट्स, इंदौर के द्वारा बनाए जा रहे मिष्ठान के कॉपीराइट और ट्रेडमार्क के उल्लंघन के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने नकली माल बनाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

उल्लंघन के मामले में इंदौर में स्थित एक कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की गई। अदालत के निर्देश के बाद निजी कंपनी से बड़ी संख्या में नकली उत्पाद, जो कि नकली लोगों का प्रयोग व मिलते-जुलते नामों के पैकेजिंग और कच्ची सामग्री भी जब्त की गई है। नकली माल बनाने वाली कंपनी उपभोक्ता को गुमराह करने के लिए जो प्रोडक्ट बेच रही थी, उसे लेकर भी सार्वजनिक सूचना जारी की गई है कि डिस्ट्रीब्यूटर भी यह प्रोडक्ट नहीं बेचे। यदि इस तरह की सामग्री मिलती है तो उस पर भी कार्रवाई होगी।

बिजली कंपनी के पास तत्काल सुधार का कोई प्लान नहीं

- रात में डीपी जली तो 11 घंटे नहीं सुधरी, 8 दिन में ऐसा तीसरी बार

इंदौर (नप्र)। आप जिस कॉलोनी, मोहल्ले, टाउनशिप में रहते हैं, वहां का ट्रांसफॉर्मर रात को जल जाए तो आपको 11 घंटे तक अंधेरा झेलना होगा। स्मार्ट मीटर, पेपरलेस बिल, कस्टमर केयर सहित कई श्रेणी में देश की नंबर 1 बिजली कंपनी के पास आग लगने पर दो-तीन घंटे में ट्रांसफॉर्मर को

बदलने का कोई प्लान नहीं है। यह स्थिति तब है जब बिजली कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष में कुल 11344 करोड़ रुपए का राजस्व हासिल किया। अकेले इंदौर से 1258 करोड़ रुपए प्राप्त किए।

वहीं बजट कुल 21 हजार 161 करोड़ रुपए इस साल के लिए पारित किए गए हैं। सोमवार रात को वीआईपी परस्पर नगर के स्लाइस 4 में ट्रांसफॉर्मर में आग लग गई। पटाखे की लड़ की तरह ट्रांसफॉर्मर और केबल जल गई। इसके वीडियो बनाकर भी रहवासियों ने बिजली कंपनी को भेजे। करीब 25 डिग्री तापमान के बीच रहवासियों को पूरी रात अंधेरे में रहना पड़ा। जोन से कहा गया कि अगले दिन सुबह 11 बजे तक ही ट्रांसफॉर्मर बदला जाएगा।

शिकायत करने पर संसाधन की कमी का हवाला

33, 11 केवी की लाइन, ट्रांसफॉर्मर को बदलने, रखरखाव की जिम्मेदारी जोन की नहीं बल्कि हाईटेंशन विंग की रहती है। कंपनी के अफसरों का कहना है कि एचटी सेक्शन में एक जोन में एक ही सहायक यंत्री है, जिसके पास पूरे जोन का जिम्मा रहता है। एक ही गाड़ी, गिनती के लाइनमैन, हेल्पर, ट्रांसफॉर्मर जलने पर दूसरा अलॉट कराने में ही दो से तीन घंटे लग जाते हैं। अधीक्षण यंत्री का कहना है कि ट्रांसफॉर्मर जलने के बाद संबंधित ट्रांसफॉर्मर के उपभोक्ताओं को सप्लाई देने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई थी। अन्य फीडर ओवर लोड नहीं हों, इसलिए भी दिक्कत आ रही थी। सुबह के समय ही ट्रांसफॉर्मर बदल दिया था।

संगम नगर जोन में 9 फीडर ठप हो गए थे

1. इसके पहले नंदानगर में भी यही हुआ था। रात को ट्रांसफॉर्मर जल गया। दूसरे दिन यानी करीब 12 घंटे बाद इसे बदला जा सका। पूरी रात और आधा दिन लोगों का बिना बिजली के बीता था।

2. एक सप्ताह पहले संगम नगर जोन पर आग लगने से रात 1 बजे 9 फीडर बंद हो गए। कुछ फीडर पर सुबह 4 सप्लाय शुरू हुई तो कुछ पर सुबह 7 बजे तक बिजली आई। दो ट्रांसफॉर्मर तो दोपहर 2 बजे तक सुधर पाए।

इंडोनेशिया घूमने गए सीए के घर लाखों की चोरी

पत्नी की ज्वेलरी और नगद रुपए ले गए चोर

इंदौर (नप्र)। इंदौर के मल्हारगंज इलाके में रहने वाले एक सीए के यहां लाखों की चोरी हो गई। उनके कपड़ा व्यवसायी साले ने केस दर्ज कराया है। सीए अपनी शादी की 25वीं सालगिरह मनाने परिवार के साथ 3 मई को इंडोनेशिया गए हैं। मल्हारगंज पुलिस के मुताबिक रामचंद्र नगर एक्सटेंशन में रहने वाले सीए देवेन्द्र बंसल के यहां चोरी की वारदात हो गई। उनके साले मनीष अग्रवाल ने केस दर्ज कराया है। मनीष ने बताया कि उनकी मां मंगलवार दोपहर जानकारी दी कि जीजा देवेन्द्र बंसल के यहां चोरी हो गई। वह मौके पर पहुंचे तो दरवाजे के ताले टूटे थे। अंदर सामान बिखरा पड़ा था। कमरे में पहुंचे तो अलमारी से आभूषण के बॉक्स खाली मिले। उन्होंने अपने जीजा देवेन्द्र को कॉल किया। उन्होंने बताया कि पत्नी की पूरी ज्वेलरी और लिफाफों में केश रखा हुआ था। इसके बाद अग्रवाल ने मल्हारगंज पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने बताया कि बंसल फिलहाल इंदौर नहीं पहुंचे हैं। चोरी गए माल को लेकर वह अलग से जानकारी देंगे।

संपादकीय

मायावती की अबूझ माया

बसपा सुप्रीमो मायावती जब तब चौंकाने वाले फैसले करती रहती हैं फिर नतीजा चाहे जो हो। मायावती पार्टी की कमान सदा अपने हाथ में रखती हैं। हाल में एक और चौंकाने वाले फैसले में उन्होंने पांच माह पूर्व अपना उत्तराधिकारी घोषित किए भतीजे आकाश आनंद को सभी पदों से यह कहकर हटा दिया कि उनमे परिपक्वता की कमी है। मायावती ने आंनद को पार्टी का नेशनल कोऑडिनेटर बनाया था। यह माना जा रहा था कि बसपा में मायावती के उत्तराधिकारी होंगे। आनंद विदेशों में शिक्षित युवा हैं और मायावती के भाई के बेटे हैं। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के चुनाव और बाकी पांच चरणों के बाकी रहते किए गए इस निर्णय ने राजनीतिक प्रेक्षकों को हैरत में डाल दिया है। आकाश को हटाने के संदर्भ में मायावती ने जो ट्वीट किया, उसमें लिखा कि विदित है कि बीएसपी एक पार्टी के साथ ही बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान तथा सामाजिक परिवर्तन का भी मूवमेन्ट है जिसके लिए मान्यवर कांशीरामजी व मैंने खुद भी अपनी पूरी जिन्दगी समर्पित की है और इसे गति देने के लिए नई पीढ़ी को भी तैयार किया जा रहा है। इसी क्रम में पार्टी में, अन्य लोगों को आगे बढ़ाने के साथ ही, श्री आकाश आनन्द को नेशनल कोऑर्डिनेटर व अपना उत्तराधिकारी घोषित किया, किन्तु पार्टी व मूवमेन्ट के व्यापक हित में पूर्ण परिपक्वता आने तक अभी उन्हें इन दोनों अहम ज़िम्मेदारियों से अलग किया जा रहा है। जबकि इनके पिता श्री आनन्द कुमार पार्टी व मूवमेन्ट में अपनी ज़िम्मेदारी पहले की तरह ही निभाते रहेंगे। देश में बसपा का एक निश्चित वोट बैंक है और दलितों का एक वर्ग मायावती को देवता की तरह मानता है। इसलिए मायावती पूरी दमदारी से और बिना नतीजों की चिंता किए निर्णय लेती हैं। वो पार्टी में सर्वस्व हैं और किसी को उन्होंने नंबर दो भी नहीं बनने दिया है। जब आकाश को उन्होंने अपना राजनीतिक वारिस बताया था तब लगने लगा था कि मायावती अपनी पार्टी का चेहरा और कार्यशैली बदलना चाहती हैं। आकाश ने भी अपनी कई सभाओं में विपक्ष तथा भीम आर्मी पर कई बार जमकर हमले किए। इसके लिए उन्होंने भाषा की मर्यादा का भी खास ध्यान नहीं रखा। इतना ही नहीं उन्होंने राज्य में योगी सरकार पर भी जमकर हल्ला बोला। बताया जाता है कि मायावती को आकाश की ये शैली पसंद नहीं आई। मायावती की मुख्य कर्मभूमि उत्तर प्रदेश ही है। दूसरा कारण यह भी हो सकता है कि यूपी की राजनीति के संदर्भ में मायावती का सॉफ्ट कॉर्नर भाजपा के प्रति माना जाता है। हाल में चुनाव को लेकर उन्होंने जितने भी फैसले लिए, उसका प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ भाजपा को मिलना माना जा रहा है। वैसे भी यूपी में बसपा की दुश्मन नंबर एक पार्टी समाजवादी पार्टी है न कि भाजपा या कांग्रेस। दूसरे भाजपा सरकार ने मायावती के खिलाफ कई मामले अभी दबाकर रखे हैं। जिस दिन मायावती अलग लाइन लेने की कोशिश करेंगी, उसी दिन भाजपा जांच एजेंसियों के माध्यम से मायावती पर शिकंजा कस सकती है। मायावती यह बात बहुत अच्छी तरह से जानती हैं। फैसलों के मामलों में वो बहुत निर्मम हैं और कभी भी किसी को चलता कर सकती हैं। कहते हैं कि आकाश को भी इसका अंदाजा था। इसलिए अचानक हटाए जाने पर उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। दूसरे, आकाश के व्यवहार को लेकर भी मायावती के पास शिकायतें पहुंची थीं, तो क्या उन्हें हटाने के पीछे यह भी बड़ा कारण है? क्या मायावती ने अपनी गलती सुधार ली है, कहना मुश्किल है। पर लगता है कि मायावती अभी पर्दे के पीछे से भाजपा की मदद करती रहेंगी।

डेक्कन डायरी: केरलम् इथिनु अपवादमानु

नजरिया

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

केरल अपवाद है। मिजाज के लिहाज से अलहदा। पांच साल पहले जब संसदीय चुनाव की बाधा-दौड़ में बीजेपी तीन सौ पार के गंतव्य की ओर अग्रसर थी और यूपी, बिहार, राजस्थान, गुजरात, दिल्ली, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में उसका सूपड़ा लगभग साफ हो गया था और दक्षिणी राज्यों में भी वह हांफ रही थी, केरल ने बखूबी उसकी लाज रखी थी। यदि केरल के नतीजे उसके अनुकूल नहीं होते तो अंक- तालिका में उसकी दशा और भी दयनीय होती। वायनाड ने राहुल गांधी के लिये वही ओषजन - भूमिका निभायी थी, जो उनकी दादी श्रीमती इंदिरा गाँधी के लिये दशकों पूर्व कांग्रेस के गर्दिश के अपूर्व- दौर में कर्नाटक में चिकमंगलूर ने निभायी थी।

साक्षरता के मान से अव्वल केरल अनूठा प्रांत है, लोग उद्यमी हैं और समुद्रपारीय देश उनका प्रिय गंतव्य है। कभी भारतवासियों के जीवनयापन में मनीऑर्डर इकॉनमी की बड़ी भूमिका थी। वह विश्व का पहला भूभाग था, जिसने ईएमएस (नंबूद्रीपाद) के नेतृत्व में वामपंथी सरकार को चुना था। प्रायः प्रदेशों में राजनीति दो दलों में ध्रुवीकृत है, लेकिन केरल में द्वंद्व दो गठबंधनों के मध्य है। आज भी केरल में मुकाबला यूडीएफ और एलडीएफ के मध्य है। यूडीएफ की कमान कांग्रेस के हाथों में है, तो एलडीएफ की कमान माकपा के हाथों में। दिल्ली की सियासत यानि राष्ट्रीय राजनीति में सहयोगी दल दिलचस्प तौर पर केरल में परस्पर प्रतिद्वन्द्वी हैं। एलडीएफ सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन इसे लेकर जब-तब कॉंग्रेस को आड़े हाथों लेते हैं, लेकिन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इसे 'सामरिक आवश्यकता' निरूपित करते हैं। अनेक राजनीतिक पंडित मानते हैं कि केरल में दोनों गठबंधनों के बीच समझौता होता तो बीजेपी को सेंध लगाने का बेहतर मौका सुलभ हो जाता। यूं भी सन् 2019 के चुनाव में कुल 20 में से 19 सीटें जीतने वाला कांग्रेसनीत गठबंधन भला क्यों चाहेगा कि समझौते की बाध्यता के चलते वह कुछ सीटें एलडीएक को तश्तरी में रखकर पेश करें।

गौरतलब है कि सन् 2019 में सभी सीटों के लिए एक चरण में मतदान हुआ था। कांग्रेस ने अलाथुर, अत्तिंगल, चलाचूडी, एर्नाकूलम, वायनाड, इडुक्कि, कन्नूर, कासरगोड, कोझीकोड, मवेलिक्कारा, पलक्कड़, पत्तनमतिट्टा, तिरुअनंतपुरम, त्रिशूर, वाट करा यानि कुल 15 सीटें जीती थीं, जबकि माकपा सिर्फ अलप्पुझा जीत सकी थी। पोन्नानी धौर मलप्पुरम पर आईयूएमएल कोट्टायम पर केईसीएम और कोल्लम पर आरएसपी ने जीत का निशान लहराया था। करीब साढ़े तीन करोड़ की आबादी में कुल मतदाता लगभग 2.61 करोड़ हैं। महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से लगभग आठ लाख अधिक है।

केरल में माकपा के कब्जे की इकलौती सीट

अलप्पुझा में चुनावी लड़ाई दिलचस्प है। यहाँ कॉंग्रेस ने अपने महासचिव और भाजपा विरोधी गठबंधन के शिल्पी केसी वेणुगोपाल को मैदान में उतारा है। वेणुगोपाल कॉंग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के लाड़ले नेता हैं। वह किशोरावस्था से चुनाव लड़ते आ रहे हैं। उन्होंने पहला चुनाव 13 वर्ष की वय में तब लड़ा था, जब वह हाई- स्कूल के छात्र थे।

तब उन्होंने माकपा के छात्र संगठन एसएफआई को चुनौती दी थी। इसके बाद बीते पांच दशकों में उन्होंने कालेज, विश्वविद्यालय, असेंबली और लोकसभा के चुनाव लड़े और अब वह माकपा के गढ़ अलप्पुझा में भाग्य आजमा रहे हैं, ''पार्टी वर्कर्स चाहते थे कि मैं लडू और उन्हें इंकार नहीं कर सकता था। ये वही लोग हैं, जिन्होंने मुझे पहिले अलप्पुझा से जिताया था। संप्रति राज्यसभा सदस्य वेणुगोपाल कहते हैं : उन्होंने अपने समय को स्थानीय और राष्ट्रीय दायित्वों में बाटे रखा। अब 27 अप्रैल को मतदान के बाद उन्हें राष्ट्रीय राजनीति के तकाजों पर ध्यान देने की फुर्सत मिल गयी है।

ऐसा नहीं है कि वेणुगोपाल को आलोचना का सामना नहीं करना पड़ रहा है। राज्यसभा सदस्य और माकपा नेता जान ब्राइटस उनके और राहुल गांधी के चुनाव लड़ने के फैसले को आड़े हाथों लेते हुए कहते हैं कि उन्हें केरल में चुनाव लड़ने के बजाय सांप्रदायिकता गढ़ में बैठी बीजेपी से लोहा लेना चाहिये। यदि वह जीतेंगे तो राज्यसभा की सीट खाली हो जायेगी, जिसे भाजपा हथियाएगी।

राहुल और वेणु का केरल में चुनाव लड़ना बीजेपी के खिलाफ एकता की भावना के खिलाफ है. माकपा और कांग्रेस दोनों ही एक-दूसरे पर बीजेपी को केरल में सेंध लगाने का मौका देने का आरोप लगाते हैं। माकपा कहती है कि कांग्रेस माकपा को खत्म करना चाहती है, तो कांग्रेस का कहना है कि माकपा केरल में कांग्रेस को नष्ट करना चाहती है। जवाब में बीजेपी नेता कांग्रेस और माकपा पर एक सिक्के के दो पहलू की तोहमत जड़ते हैं। तिरुअनंतपुरम से चुनाव लड़ रहे बीजेपी प्रत्याशी राजीव चन्द्रशेखर कहते हैं कि दोनों पार्टियां केरल के लोगों के मन में भाजपा को अल्पसंख्यक-विरोधी और दक्षिण विरोधी बताकर डर पैदा करना चाहते हैं। केरल में दुश्मनी और दिल्ली में दोस्ती को दोनों दलों का पाखंड बताते हुए राजीव कहते हैं कि बीजेपी और नरेन्द्र मोदी का विजन ही केरल के लिये सही विकल्प है। प्रसंगवश उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने राजधानी तिरुवनंतपुरम से अनुभवी शशि थरूर को एक बार फिर प्रत्याशी घोषित किया है। बीजेपी ने यहाँ ये कुन्नम राजशेखरन को प्रत्याशी बनाकर मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश की है। सन् 2019 में उसके प्रत्याशी को यहां 15 फीसद वोट मिले थे।

यूडीएफ और एलडीएफ नेताओं की बात सुनें तो साफ समझ में आता है कि बीजेपी उनकी साझा बैरी है और उसके प्रवेश को लेकर सशंक है। मुख्यमंत्री पिनरायी तो कांग्रेस पर 'सॉफ्ट हिन्दुत्व' और बीजेपी के प्रति नरम सलूक का आरोप लगाते हुये कहते हैं कि कांग्रेस बीजेपी के विस्तार को रोकने में विफल रही है। बहरहाल, बीजेपी हर कीमत पर पैठ को लालायित है। उसके चार प्रत्याशी कभी कांग्रेस में हुआ करते थे, कांग्रेस की पूर्व केरल कांग्रेस (मणि), जिसने गत चुनाव में कोट्टायम् सोट जीती थी, अब बीजेपी के साथ है। इसे भारतधर्म जन सेना का भी समर्थन हासिल है। सेना की एझावा समुदाय में अच्छी पैठ है। बीजेपी ने केरल के ईसाई समुदाय का सहयोग हासिल करने की भरपूर कोशिश की है?

केरल की दो संसदीय सीटें ऐसी हैं, जहां आईयूएमल का वर्चस्व है। आईयूएमल यानि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग का चेहरा। चाल और चरित्र एक समय खूब जेरे - बहस रहा, लेकिन वह अब बीते कल की बात है। आईयूएमल का केरल में अपना वोट बैंक है और दो सीटों - पोन्नानी और मलप्पुरम में उसका वर्चस्व उसके उम्मीदवारों पोन्नानी में ईटी मोहमद बशीर और मलप्पुरम में पीके कुन्हाली कुट्टी ने गत चुनाव में जीत हासिल की थी। इस बार भी चुनाव की विशेषता रही कि बड़ी संख्या में एनआरआई मतदान के लिये केरल पहुंचे। राजनीतिक दलों से जुड़े प्रवासी संगठनों ने किफायती दरों पर टिकट बुक कराने में उनकी मदद की। खाड़ी देशों में बसे मतदाताओं का दखल पोन्नानी और मलप्पुरम के अलावा वायनाड में भी है। मतदान की पूर्व बेला में हजार से अधिक वोटर खाड़ी देशों से केरल पहुंचे। कांग्रेस और आईयूएमल से जुड़ संगठनों - केएमसीसी, प्रियदर्शिनी कॉंग्रेस, आईएनसीएएस आदि ने आगमन, प्रवास और मतदान में समन्वय की भरपूर कोशिश की चुनावः 24 में केरल में कई दिलचस्प नजारे देखने को मिले। तमिल बहुल इडुक्की में वोटरों को रिझाने के लिये सभी दलों ने तमिल नारों, गानों और पोस्टरों का भरपूर इस्तेमाल किया। दिलचस्प तौर पर इस चुनाव में केरल में मोदी मुद्दा बन गये। राजस्थान में मुस्लिमों पर उनकी फब्ती की दोनों गठबंधनों ने कड़ी भर्त्सना की। मुख्यमंत्री विजयन, नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीशन और वेणुगोपाल ने वैमनस्य फैलाने लिए प्रधानमंत्री को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी घृणा और विभेद की राजनीति खेल रही है। सतीशन ने दिल्ली के लोफ्टनेंट गवर्नर वीके सक्सेना की निर्वाचन आयोग में शिकायत की कि वह बीजेपी को चुनावी लाभ के लिए केरल में चर्चों के मठाधीशों से मिल रहे हैं। बहरहाल, केरल में 26 अप्रैल को मतदान हो चुका है। जून में जब नतीजे आयेंगे तो वे इस बात की पुष्टि करेंगे कि केरलम्इथिनु अपवादमान यानि केरल तो अपवाद है।

क्या देश का संविधान बदल सकती है भाजपा?

राजनीति

नवीन कुमार

(मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक)

क्या देश का संविधान बदला जा सकता है? क्या भाजपा देश का संविधान बदल सकती है? ये दो ऐसे सवाल हैं जिस पर देश के हर नागरिक को गंभीरता से विचार करना चाहिए। 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष संविधान बदलने के मुद्दे को गंभीरता से उठा रहा है। लेकिन, आम नागरिक इसे सिर्फ एक चुनावी मुद्दा मान रहा है। चुनावी माहौल में ऐसे मुद्दे गंभीर नहीं होते हैं। फिर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अपनी चुनावी रैली में यह दोहरा रहे हैं कि संविधान नहीं बदला जाएगा।

भाजपा और एनडीए ने मिलकर 400 से ज्यादा लोकसभा सीटें जीत ली तो क्या होगा? क्या देश के संविधान में बदलाव किया जाएगा? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोदी तो यहां तक कहते हैं कि खुद संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर भी संविधान को नहीं बदल सकते। मोदी की बात में कितना दम है, यह तो वही जानें। लेकिन, भाजपा के ही कुछ नेता दोहरा रहे हैं कि केंद्र में भाजपा के लौटने के बाद संविधान को बदल दिया जाएगा। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने साफ कहा कि संविधान से 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द हटा दिया जाएगा। मोदी या शाह अपनी पार्टी के नेताओं को संविधान बदलने वाले बयान देने से रोक क्यों नहीं रहे हैं। इससे उनकी मंशा पर भी सवाल खड़े होते हैं।

अभी देश में चुनावी माहौल है। इस चुनाव में भाजपा मान रही है कि मोदी लहर है और लोग मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए उन्हें 400 के पार पहुंचाना चाहते हैं। हालांकि, इसको लेकर एक भ्रम जैसी स्थिति बनी है। 400 पार पहुंचने के बारे में खुद भाजपा आश्वस्त नहीं है। देश की 140 करोड़ जनता अभी संविधान बदलने के पक्ष में नहीं है। इसलिए चुनाव प्रचार में भी संविधान बदलने के मुद्दे पर लोगों की राय अलग-अलग है। जब मोदी सत्ता में लौटेंगे तब लोगों को पता चलेगा कि क्या मोदी सच बोल रहे थे। संविधान एक संवेदनशील विषय है। देश का संविधान ही लोकतंत्र को बचा सकता है। अगर संविधान जिंदा नहीं रहा तो लोकतंत्र भी जिंदा नहीं रह सकता। लोग खुली हवा में सांस तो ले लेंगे। लेकिन, इस हवा में कुछ ऐसे जहरीले तत्व भी मिले होंगे जिससे इंसान जिंदा रहकर भी मरा हुआ ही दिखेगा। इसलिए विपक्ष की तरफ से यह लगातार प्रयास हो रहा है कि लोग जागरूक रहें, ताकि चुनाव के बाद भाजपा संविधान को बदलने का प्रयास नहीं कर सके।

भाजपा के नेता यह भी कह रहे हैं कि इंदिरा गांधी ने संविधान के साथ जो किया था वह संविधान को बदलने का ही मामला था। इसका मतलब है कि भाजपा को पता है कि संविधान को कैसे बदला जा सकता है और उसमें बदलाव के बाद आम आदमी चुप ही रहने वाला है। एक बात तो तय है कि देश में लोकतंत्र है और लोकतांत्रिक व्यवस्था में देश के सारे कार्य हो रहे हैं। ऐसे में पूरे विश्वास के साथ मान लिया जाए कि भारत का संविधान बदला जा सकता है? एक तरह से देखा जाए तो चुनी हुई लोकतांत्रिक सरकार को इतनी शक्ति मिली होती है कि उसी शक्ति के बल पर उसके लिए संविधान बदलना भी आसान है। संसद में बहुमत का ही जोर चलता है और यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है। यह संविधान बहुमत वाली सरकार को एक शक्ति प्रदान करता है। संविधान को बदलने के लिए कुछ शर्तें हैं, जो संविधान के आर्टिकल 368 में है। इसके जरिए संविधान में संशोधन किया जा सकता है और उसे संविधान में बदलाव के स्वरूप में पेश किया जा सकता है।

हालांकि, आर्टिकल 368 इस्तेमाल करने में केंद्र को राज्य सरकारों की भी जरूरत पड़ती है। यही वह शक्ति है जिससे विपक्ष परेशान है और आम नागरिक को इस शक्ति के बारे में बताना बहुत जरूरी है। महाराष्ट्र के लोकसभा की चुनावी रैलियों में भी विपक्ष संविधान बदलने की बात करता है। लेकिन, विपक्ष भी उस शक्ति के बारे में बात नहीं करता जो बहुमत वाली सरकार के पास एक ब्रह्मास्त्र की तरह है। इसका प्रयोग एक ही बार पूरी ताकत के साथ करना है और इसके प्रयोग से जैसे ही संविधान में बदलाव हो गया उसके बाद क्या होगा इसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। हालांकि, लोग आपातकाल को भी याद करते हैं। भाजपा के कुछ नेताओं ने संविधान बदलने के मामले में जो एक गंभीर बात कही है वो यह कि संविधान से 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द को हटा दिया जाएगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम तो खुले तौर पर कहते हैं कि चुनाव के बाद जब भाजपा की नई सरकार बनेगी तो संविधान से 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द हटाकर संविधान को नए स्वरूप में देश के सामने पेश करेगी। गौतम का तो यह भी आरोप है कि संविधान की प्रस्तावना में कांग्रेस ने 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द शामिल किया था जिससे आंबेडकर की आत्मा को ठेस पहुंची है।

कांग्रेस के नाम पर गौतम भले ही कुछ कह लें, लेकिन यह तो सबको पता है कि देश का संविधान किस तरह से अपने सही स्वरूप में आया और उसे देश के साथ देशवासियों ने स्वीकार किया। संविधान के बारे में कोई कुछ भी बोले लेकिन उनकी बातों को सच के रूप में स्वीकार करना मुश्किल है। अगर संविधान के साथ इंदिरा गांधी ने छेड़छाड़ की थी, तो वही काम करने की छूट भाजपा को नहीं दिया जा सकता है। अगर भाजपा को छूट दी गई, तो भाजपा और कांग्रेस में फर्क ही क्या रह जाएगा और देश एवं देश के लोगों का भला कैसे होगा। भाजपा अगर इंदिरा गांधी की राह पर चलना चाहती है तो देश की जनता ने जिस तरह से इंदिरा गांधी को सबक सिखाया था, उसी तरह के सबक के लिए भाजपा को तैयार रहना पड़ेगा। वैसे, अगर भारतीय संविधान को देखा जाए तो इस संविधान की सबसे बड़ी खासियत या खूबसूरती 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द ही है। दुनिया के किसी और देश के संविधान में यह शब्द इतनी प्रमुखता से नहीं है।

कुछ हिंदूवादी मानसिकता वाले लोगों को यह शब्द चुभता है। क्योंकि, वो हिंदू राष्ट्र के बारे में सोचते हैं। यह उनकी सोच है और किसी की सोच का विरोध भी नहीं होना चाहिए।अब भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित नहीं किया जा सकता। आजादी के बाद से ही देश में हर जाति, धर्म के लोग बसते हैं और उनके बीच सांप्रदायिक एकता भी है। अलग-अलग धर्म के बहुत सारे लोग हैं जो हर धर्म को मानते हैं और बिना किसी भेदभाव के धार्मिक रीति-रिवाज में भी शामिल रहते हैं। सांप्रदायिक एकता को तोड़ने के लिए कई तरह से प्रयास भी हो रहे हैं। लेकिन भारत में मानवतावादी विचार भी काफी मजबूत है जिसके जरिए पूरी दुनिया में भारत का नाम ऊंचा है।

महाराष्ट्र में चुनावों के दौरान भी राम मंदिर और हिंदुत्व की बात जरूर की गई । लेकिन, यह मुद्दा नहीं बन पाया। क्योंकि,.महाराष्ट्र में लोग छत्रपति शिवाजी महाराज को मानते हैं। यह दीगर बात है कि शिवाजी महाराज हिंदवी स्वराज के संस्थापक थे। लेकिन, उन्होंने सर्वधर्म समभाव की नीति अपनाई थी। यह नीति महाराष्ट्र में मानी जाती है। महाराष्ट्र आंबेडकर और महात्मा फुले की भी धरती है। इसलिए यहां चुनाव में हिंदुत्व बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है। चुनावी रैलियों में भाजपा की ओर से कांग्रेस के अलावा उद्धव ठाकरे और शरद पवार को निशाना बनाया जा रहा है। ठाकरे और पवार पलटवार करते हुए संविधान बदलने के मुद्दे को उठा रहे हैं। आज के दौर में राजनीतिक स्तर पर युवाओं को भ्रमित भी किया जा रहा है। अगर विपक्ष ने संविधान बदलने के मुद्दे को राजनीतिक हथियार बनाया है और इस मुद्दे पर भाजपा खुद को साधु बताते में लगी है, तो युवाओं को इस बारे में अपनी तरह से अध्ययन करने की जरूरत है।

क्या भाजपा की राजनीति में सिर्फ कांग्रेस को मिटाना ही है या संविधान में संशोधन करके शासक के तौर पर देश और दुनिया में कोई और बदलाव लाना चाहती है। संविधान बनाने के बाद आंबेडकर के नवंबर 1949 में दिए गए भाषण में उनका यह कथन काफी महत्वपूर्ण है-संविधान चाहे जितना अच्छा हो, वह बुरा साबित हो सकता है। यदि उसका अनुसरण करने वाले लोग बुरे हों। यह कौन कह सकता है कि भारत की जनता और उसके दल कैसा आचरण करेंगे। अपना मकसद हासिल करने के लिए वे संवैधानिक तरीके अपनाएंगे या क्रांतिकारी तरीके? यदि वे क्रांतिकारी तरीके अपनाते हैं तो संविधान चाहे जितना अच्छा हो, यह बात कहने के लिए किसी ज्योतिषी की आवश्यकता नहीं कि वह असफल ही रहेगा।

खेला करबो

कटाक्ष

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

लेखक युवा व्यंग्यकार हैं।

इतने सारे स्वर्ण पदक! 'हाँ यह सब तुम्हारी मेहनत के हैं। बताओ इन्हें पाकर तुम्हें कैसा लग रहा है?'

'इन्हीं पदकों की तलाश में जीवन खपा दिया और एक वो हैं जो बिना कुछ किए मलाई उड़ा रहे थे। पहली बार लगा कि यह खेल हम खेल रहे थे।'

'मतलब...? मैं कुछ समझा नहीं। साफ-साफ कहो।'

'तुमसे क्या छिपा है। तुम तो सब जानते ही हो। एक समय था जब यह खेल भ्रष्टाचारियों के लिए हुआ करता था। कोई आयोजन करके स्वर्ण पदक झटकने के चक्कर में था तो कोई खेल सामग्री में धांधली करके। कोई खिलाड़ियों के ठहरने के खर्चों में तो कोई उनके भोजन के ठेके ले-लेके पदकों की झड़ी लगाने के चक्कर में रहता था। वो क्या है न कि जब-जब भ्रष्टाचारी ऊँचे पद हथिया लेते हैं और खिलाड़ी सड़ते रहते हैं तब-तब पदक नहीं घोटाले के पटल खुलते रहते हैं। आज पहली बार लगा कि यह खेल भ्रष्टाचारियों के लिए नहीं खिलाड़ियों के लिए था।'

'सो तो है। लेकिन तुम जिस घटना के बारे में बता रहे हो वह तो कॉमनवेल्थ का 'महाखेल' था। भ्रष्टाचारी कहाँ नहीं होते। जैसे हवा है, वैसे वे हैं। तुम्हें तो अपने खेल धर्म का पालन करना चाहिए। इन सबसे तुम्हारा क्या लेना-देना?'

'अरे! यह भी खूब कही। लेना-देना कैसे न होगा। हम लोग खेल जमीन पर खेलते हैं। आसमान पर नहीं। मछली तो जीती पानी में ही है न! पानी के बिना उसका कैसा अस्तित्व?'

'खिलाड़ियों का काम खेलना होता है। इन सब धांधलियों के बारे में सोचना नहीं। ऐसा भी तो हो सकता है कि नाच न जाने आंगन टेढ़ा की बिसात पर अपने खराब खेल का ठीकरा धांधली के मत्थे फोड़कर खुद को पाक साबित करना चाहते हो। क्या तुम्हें ऐसा नहीं लगता?'

'खिलाड़ियों के लिए खेल ही उसका धर्म होता है। वह तो हर बार देश का नाम ऊँचा करने के लिए अपना सौ फीसदी देने का प्रयास करता है। लेकिन कुछ धांधलीबाज होते हैं जो बिना स्टेडियम बनाए, बिना खेल सामग्री दिए, बिना सुविधाओं के हमें हवा में तीर मारने की बात करते हैं। कागज पर सबका हिसाब होता है, जमीन पर आते-आते सब कुछ शून्य। फिर उसके बाद खेल की जो फजीहत होती है उसका ठीकरा हमारे मत्थे फोड़ दिया जाता है।'

'मैं तो सब जानता हूँ। फिर भी यूँ ही जानना चाहता था कि खेल और खिलाड़ी के बारे में तुम्हारे विचार क्या हैं?'

'अब तुम्हें क्या लगता है?'

'लगता नहीं, पूर्ण विश्वास हो गया है कि खिलाड़ी धांधली से ऊपर उठकर देश के लिए मर मिटता है। ऐसे में देश ईमानदारी से उनका साथ दे तो दलदल में भी कमल खिला सकता है। क्योंकि खेल से खिलाड़ी है और खिलाड़ी से खेल। इन सबके बीच धांधली का कोई स्थान नहीं है।'

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सितारे जड़ित पार्टी के प्रचारक

व्यंग्य

अशोक व्यास

लेखक व्यंग्यकार हैं।

उन्होंने फिर से हृदय परिवर्तन की तरह पार्टी परिवर्तन कर लिया है कभी घर वापसी के नाम पर और कभी सुबह का भूला शाम को वापसी या कभी घर के बड़े बूड़े से नाराजगी के नाम पर पार्टी में आवागमन करते रहते हैं। अब तो वह भी गिनती भूल गए कि शायद अबकी बार चार सौ पार की तरह कितनी बार उन्होंने पार्टी बदली होगी। कितनी बार उन्होंने यह कारनामा किया है जब वो याद नहीं रखते या रखना नहीं चाहते हैं तो हम क्यों अपना सर खपायें लेकिन कुछ जल कुकड़े पत्रकार टाइप के लोग हैं जो बार बार उनसे पूछते हैं कि अबकी बार चारसौवीं बार आपने पार्टी बदली है तब वो पत्रकारों को बड़े धेर्य से जवाब देते कि '' आपको गिनती नहीं आती है आप होमवर्क करके आइये तब कुछ कहिये ''। एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जाते ही उनका आउट आफ टर्न प्रमोशन हो गया और पुराने वफादार मुंह टापते रह गए। वे जंप मारकर पार्टी प्रवक्ता से पदोन्नत होकर नई पार्टी में वह सितारे जड़े प्रचारक बन गए जिसे मीडिया में स्टार प्रचारक कहते हैं। लेकिन भाई यह कोई मामूली काम नहीं है तलवार की धार पर चलने जैसा काम है दो खम्बों के बीच बंधी रस्सी पर नट नागर बनकर चलना है। पहले तो पुरानी पार्टी के सिखाये हुए सबक को भूलना पड़ता है और नई पार्टी की विरुदावली के गीत सीखकर गाने पड़ते हैं तब जाकर आप सच्चे सितारे जडित प्रचारक कहलाते हैं। लेकिन दूसरी पार्टी ने उनकी छुपी हुई प्रतिभा को पहचान लिया था कि इनके पांव में भंवरी है ये कहीं भी जा सकते हैं और पार्टी का घूम घूम कर जमकर प्रचार कर सकते है और सबसे बड़ी बात पुरानी पार्टी के कच्चे चिट्ठे खोल कर पार्टी के पक्ष में माहोल बना सकते हैं। नई पार्टी ने पूत के पांव पालने में देख लिए थे इसलिए उन्हें पालने के लिए अपनी पार्टी में बुला लिया ताकि वह उनकी प्रतिभा का वास्तविक दोहन कर सके ।

किसी के दिलों पर राज कैसे किया जाता है यह आज तक किसी को नहीं मालूम है लेकिन हाईकमान के दिल में कैसे प्रवेश किया जाता है पुरानी पार्टी के प्रवक्ता होने और अनुभवी खिलाड़ी होने के नाते यह कला उनको बखूबी आती है। जैसे किसी पार्टी का मुख पत्र होता है जिसमें पार्टी की नीतियों की बात कम और हाई कमान के कसीदे ज्यादा पड़े जाते उसी प्रकार सितारे जड़ित प्रचारक का काम है कि पार्टी के प्रचार से ज्यादा वह हाई कमान के बाप दादा से लेकर भावी संतानों के उज्जवल भविष्य के सपने जनता को दिखाए और सपनों के इस सौदागर से इस मामले में उनकी बराबरी कोई नहीं कर सकता है।

पार्टी प्रवक्ता और सितारे जड़ित वक्ता में एक अंतर जरुर है कि प्रवक्ता को जी. के. या सामान्य ज्ञान से लेकर आसमानी ज्ञान तक सबकी जानकारी होनी चाहिए क्यों कि पब्लिक हो या पत्रकार कोई भी सवाल पूछ सकता है। सितारे जड़ित वक्ता बनने के बाद वो समझ गए कि कोरोना वायरस हो या रूस युक्रेन युद्ध इन दोनों ने यह साबित कर दिया है कि डब्ल्यू. टी. ओ. या यु. एन. ओ. हो ये सिर्फ जी. के. या एन. सी. ई. आर. टी. की किताबों में ही मजबूत दिखते हैं या पार्टी प्रवक्ता से सवाल पूछने के काम आते हैं। जब वह पुराणी पार्टी के प्रवक्ता थे तब टी. वी. की स्क्रीन पर चिल्ला चिल्ला कर बोलते थे '' मन्नू भैया को छींक आ गई है , चुन्नू भैया का पैर फिसल गया है इतने बड़े राष्ट्रीय मुद्दे पर प्रधान मंत्री जी का मौन रहना उचित नहीं है सारा देश जानना चाहता है उन्हें बयान देना चाहिए वे बयान क्यों नहीं दे रहे हैं उनकी चुप्पी से किसी षड्यंत्र का आभास हो रहा है। और ज्यादा हुआ तो ट्विटर पर ट्विट कर देते और छुट्टी हुई प्रवक्ता का काम ख़तम ट्विटर। तब ट्विटर एक फेक्टर का काम करता था लेकिन आजकल वह खुद एक्स हो गया है इसलिए एक्स फेक्टर का काम करता है।

सितारे जड़ित प्रचारक बनते ही उन्होंने वहां के माहौल को सूंघ लिया था आखिर ऐसे ही उन्हें प्रचारक नहीं बनाया था वो समझ गए कि पार्टी माई बाप की है इसलिए पार्टी सत्ताधारी बने या ना बने उत्तराधिकारी पार्टी जरुर बनेगी है। प्रकृति का नियम है घुटने पेट की तरफ ही मुड़ते हैं पुराने हाई कमान अपने बेटे के हाथ में पार्टी की बागडोर सौंप के सोचते हैं कि जनम सफल हो गया बेटे को हाई कमान बना कर रहा पार्टी का सवाल तो उसे कभी ना कभी सत्ता जरुर मिल जाएगी जनता इतनी भावुक है कि जात पर, बात पर, हाथ पर भी वोट नहीं दिया तो लात पर जरुर देगी।

अब वे सितारे जड़ित प्रचारक का कर्तव्य निभाने के लिये पूरी तरह तैयार हो चुके थे मंहगी ए. सी. कार उनके दरवाजे पर खड़ी हो गई थी। बाहर खड़े कार्यकर्ता जो पहले उनके लिये मुर्दाबाद के नारे लगते थे अब उससे दुगने उत्साह से और गला फाड़ कर जिंदाबाद के नारे लगाने लगे कार्यकर्ता झंडे डंडे , बैनरों पोस्टरों से लद कर उनकी कार के पीछे दो पहिया वाहनों से चल रहे थे। उन्हें भी एसा लग रहा था कि उनके कंधो पर पार्टी के प्रचार का बोझ नहीं बल्कि कई सितारे जड़े हुए हैं। प्रचार और भाषण देने के लिये निश्चित स्थान पर पहुचने तक ए.सी. कार की ठंडी हवा से उनकी आँखे मुंदने लगी और वह पार्टी नहीं अपने उज्जवल भविष्य के सपनों में खो गए।

विचार

अनुराग बेहार
लेखक अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के सीईओ एवं अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के संस्थापक वाइस चांसलर हैं।
अंग्रेजी अखबार मिंट में प्रकाशित आलेख से अनुदित

शिक्षा की बेहतरी के लिए कुछ काम इतने भी मुश्किल नहीं

भारतीय स्कूल शिक्षा की कुछ गंभीर समस्याएँ हैं, लेकिन समस्या एक समान खराब नहीं है। भारत के हर हिस्से में आपको अच्छे शिक्षक और अच्छे स्कूल मिलेंगे। इसके साथ ही हर राज्य की अपनी प्रणालीगत विविधताएँ भी हैं, जो उनके द्वारा किए गए कार्यों से जुड़ी हैं न कि उनकी शासन कार्यविधि की वजह से। इनमें से बहुत से कार्यों के लिए तो बाधाओं के बारे में चिंता करने की आवश्यकता भी नहीं है। पहला, इसके लिए वित्तीय प्रतिबद्धताओं को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की जरूरत भी नहीं है, कुछ मामलों में, राज्य के मौजूदा शिक्षा बजट का 1-2 प्रतिशत या उससे भी कम पर्याप्त होगा। दूसरा, उन्हें परिवर्तन का विरोध करने वाले और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली और व्यापक रूप से वितरित समूहों के साथ निरंतर लड़ाई की आवश्यकता नहीं है। तीसरा, आंशिक रूप से पहले दो कार्यों के रूप में, इन कार्यों के लिए राज्य-स्तरीय नेतृत्व से पर्याप्त राजनीतिक पूंजी और इच्छा शक्ति की आकांक्षा नहीं होती है। यहां इस तरह के कुछ महत्वपूर्ण कार्य दिये जा रहे हैं।

पहला, राज्यों को स्कूल शिक्षा तंत्र में शैक्षणिक (अकादमिक) कार्यों के लिए मजबूत संस्थाओं की आवश्यकता है। इसमें पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम निर्माण, पाठ्यपुस्तक निर्माण, परीक्षा और आकलन को बेहतर बनाना, शिक्षकों और शाला प्रभारी का व्यावसायिक क्षमतावर्धन शामिल है। इन संस्थाओं में राज्य स्तर पर राज्य शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), जिला स्तर पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) और विकासखंड स्तर पर विकासखंड संसाधन केंद्र और क्लस्टर संसाधन केंद्र (सीआरसी, बीआरसी) शामिल हैं।

हालांकि सभी राज्यों में एससीईआरटी और डाईट हैं, लेकिन सभी राज्यों में विकासखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) और क्लस्टर संसाधन (सीआरसी) केंद्र नहीं हैं। भारत के अधिकतर राज्यों के जिलों के आकार को देखते हुए डाइट जैसी एक संस्था दूर-दूर तक फैली सभी शालाओं और शिक्षकों को सहयोग प्रदान करने के लिए काफी नहीं है। इसलिए विकासखंड और क्लस्टर संसाधन केंद्र मायने रखते हैं। कुछ राज्यों ने क्लस्टर स्तर पर सहयोग प्रदान करने के लिए कुछ अन्य रास्ते भी अपनाए हैं, जो प्रभावी सिद्ध हो सकते हैं। उदाहरण के लिए कुछ शालाओं का पंचायत के अंतर्गत एक समूह बना देना।

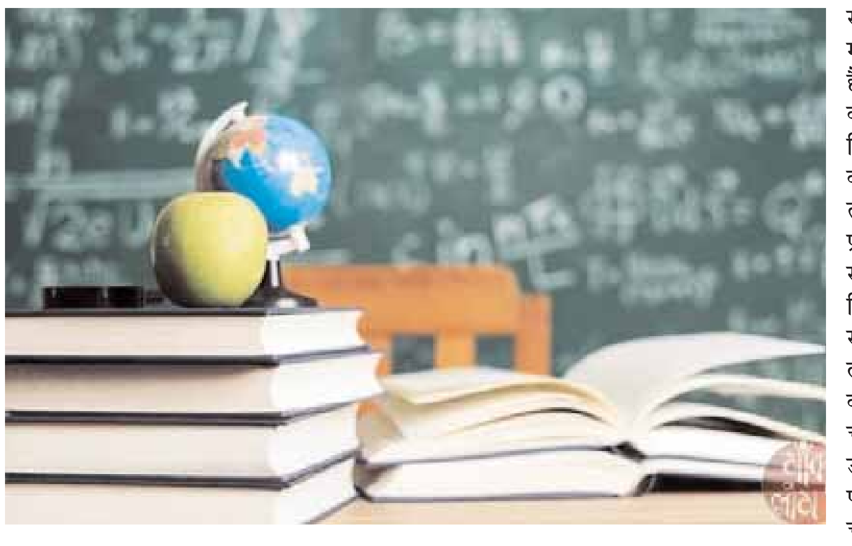

दुर्भाग्य से बहुत-सी एससीईआरटी और डाइट निष्क्रिय हैं। बहुत से काबिल प्रशासक भी इनमें जान नहीं फूँक पाते हैं। इसके पहले जिस तरह के शैक्षणिक कार्यों का उल्लेख पहले किया गया है, वह शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए केंद्रीय हैं। एकमात्र विकल्प इन संस्थानों को पुनर्जीवित करना और उन्हें कम से कम कुछ हद तक प्रभावी बनाना है। इन संस्थाओं को उनकी मौत के चक्र से बाहर निकालना आसान नहीं है। लेकिन यह किया जा सकता है और कुछ राज्यों ने ऐसा किया भी है। इसमें एससीईआरटी और डाइट को स्वतंत्र संस्थाओं के तौर पर काम करने के काबिल बनाना न कि शिक्षा निदेशालय के सहायक अंग या सहयोगी के तौर पर काम करना, और इस तरह के कार्यों में रुचि रखने वाले सक्षम अधिकारियों को उन जगहों पर नियुक्त करना, और एक सोची समझी प्रक्रिया के तहत इस तरह के लोगों की पर्याप्त नियुक्तियां करना ताकि अच्छे लोगों को ऐसी जगहों पर और आकर्षित किया जा सके। और अंत में इस तरह की संस्थाओं के काम और भूमिका को सार्वजनिक मान्यता देना। इसी तरीके से सीआरसी और बीआरसी का क्षमतावर्धन भी किया जा सकता है।

दूसरा, जमीनी स्तर पर प्रशासनिक ढाँचा सरल और स्पष्ट हो। अधिकांशतया जिला स्तर पर कई जगहों से निर्देश दिये जाते हैं। ये सुनियोजित मैट्रिक्स संरचनायें नहीं होती बल्कि कुछ अनौपचारिक तुरत-फुरत काम करने के तरीके होते हैं जो कि बना लिए जाते हैं। उदाहरण के लिए किसी प्रोग्राम की फंडिंग द्वारा। इस तरह के उलझे हुए प्रशासनिक जालों में सीधे तौर पर किसी काम की जवाबदेही और स्वामित्व की कमी दिखाई देती है।

तीसरा, शिक्षक प्रशिक्षण और उनका सहयोग बेहतर तरीके से किया जा सकता है। शिक्षकों के क्षमतावर्धन (शिक्षक प्रशिक्षण) को भी बेपरवाही से ही किया जाता है। जो कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के सबसे महत्वपूर्ण औजारों में से एक है। और अगर शिक्षा में सुधार करना हो तो स्कूल स्तर पर शिक्षकों को सहयोग प्रदान करना, शिक्षकों द्वारा बेहतर तरीके से पढ़ाना और उनका प्रशिक्षण करना ही इसका सबसे अच्छा तरीका है। एक शिक्षक की भूमिका अपने साथ एक नैतिक कार्य नीति लाती है और वैसे ही आचरण की मांग रखती है।

चौथा, सभी कक्षाओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाली पाठ्यपुस्तकों का निर्माण होना चाहिए। हमारी शिक्षा प्रणाली पाठ्यपुस्तकों पर बेहद निर्भर है- जिसे बदलने की जरूरत है। मगर जब तक ऐसी स्थिति है (और उसके बाद भी), उच्च गुणवत्ता वाली पाठ्यपुस्तकें शिक्षकों की प्रभावशीलता और छात्रों की रुचि पैदा करने और सीखने में बड़ा अंतर लाती हैं। चूँकि पाठ्यपुस्तक निर्माण जैसी परियोजना केवल कुछ वर्षों में एक ही बार किए जाने वाला कार्य है, इसलिए राज्य को स्कूली शिक्षा तंत्र से और बाहर से भी जहां तक संभव हो एक सर्वोत्तम टीम को एक साथ लाना चाहिए, स्पष्ट आदेश देना चाहिए, इसे सशक्त बनाना चाहिए और पर्याप्त समय देना चाहिए। पाठ्यपुस्तकों के लिए एक अच्छी और क्षमतावान टीम संभवतः सबसे अधिक लाभकारी सिद्ध होगी।

पांचवाँ, शाला प्रभारियों के व्यावसायिक क्षमतावर्धन में निवेश करना चाहिए। इसके साथ ही विकासखंड स्तर पर और जिला स्तर पर भी अधिकारियों का क्षमतावर्धन किया जाना चाहिए। इनमें से कई लोग अपने नेतृत्व द्वारा परिवर्तन और सुधार ला सकते हैं। जो लोग ऐसा नहीं करते उन्हें कम से कम इसका विरोध नहीं करना चाहिए।

छटवाँ, सभी बोर्ड परीक्षाओं को सुधारा जाना चाहिए। हमें सिर्फ तथ्यों को रटने और याद रखने की परीक्षा को खत्म करना चाहिए। इन परीक्षाओं द्वारा अवधारणात्मक समझ, अनुप्रयोग, आलोचनात्मक चिंतन और अन्य मौलिक क्षमताओं का आकलन किया जाना चाहिए। छात्रों पर दबाव कम करने के लिए बोर्ड परीक्षाओं की हिस्सेदारी घटाई जानी चाहिए; उदाहरण के लिए, एक ही शैक्षणिक सत्र में कई बार ऐसी परीक्षा आयोजित करके दबाव कम किया जा सकता है।

इन छह कार्यों में से किसी के लिए भी काफी पैसे या महत्वपूर्ण राजनीतिक पूंजी की जरूरत नहीं है। जरूरत है तो राज्य के राजनीतिक और प्रशासनिक नेतृत्व के बीच समन्वय और समझ की और प्राथमिकताओं को तय करने की। और फिर कार्यान्वयन की बारीकियों पर दृढ़ता से ध्यान केंद्रित किया जाना, जिसमें बहुत से अधिकारी और नौकरशाह बखूबी काबिल होते हैं। सभी राज्यों को इस तरह के कदम उठाने ही चाहिए और उन्हें उन राज्यों से भी सीखना चाहिए जो इस तरह के कदम पहले उठा चुके हैं।

जयन्ती पर विशेष

रमेश सर्राफ धमोरा
लेखक पत्रकार हैं।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप

भारतीय इतिहास में राजपुताने का गौरवपूर्ण स्थान रहा है। यहां के रण बांकुरों ने देश, जाति, धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने में संकोच नहीं किया। वीरों की इस भूमि में राजपूतों के छोटे बड़े अनेक राज्य रहे है, जिन्होंने भारत की स्वाधीनता के लिए संघर्ष किया। इन्हीं राज्यों में मेवाड़ का अपना अलग ही स्थान है। जिसमें महाराणा प्रताप जैसे महान वीर ने जन्म लिया था। मेवाड़ के राजा महाराणा प्रताप अपने पराक्रम और शौर्य के लिए पूरी दुनिया में मिसाल के तौर पर जाने जाते हैं। एक ऐसे राजपूत राजा जो जीवन पर्यन्त मुगलों से लड़ते रहे, जिसने जंगलों में रहना पसंद किया, लेकिन कभी विदेशी मुगलों की गुलामी स्वीकार नहीं की थी। उन्होंने देश, धर्म और स्वाधीनता के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया था।

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुम्भलगढ़ में सिसोदिया कुल में हुआ था। उनके पिता का नाम महाराणा उदयसिंह द्वितीय और माता का नाम रानी जीवंत कंवर था। महाराणा प्रताप अपने पच्चीस भाइयो में सबसे बड़े थे। इसलिए उनको मेवाड़ का उत्तराधिकारी बनाया गया। महाराणा प्रताप के समय में दिल्ली पर अकबर का शासन था और अकबर की निती हिन्दू राजाओं की शक्ति का उपयोग कर दूसरे हिन्दू राजा को अपने नियंत्रण में लेने की था। 1567 में जब राजकुमार प्रताप को उत्तराधिकारी बनाया गया उस वक्त उनकी उम्र केवल 27 वर्ष थी। उस वक्त मुगल सेना ने चितौड़गढ़ को चारों ओर से घेर लिया था। तब महाराणा उदयसिंह मुगलों से लड़ने के बजाय चितौड़गढ़ छोड़कर परिवार सहित गोगुन्दा चले गये। महाराणा प्रतापसिंह फिर से चितौड़गढ़ जाकर मुगलों से सामना करना चाहते थे। लेकिन उनके परिवार ने चितौड़गढ़ जाने से मना कर दिया।

गोगुन्दा में रहते हुए महाराणा उदयसिंह और उसके विश्वासपात्रों ने मेवाड़ की अस्थायी सरकार बना ली थी। 1572 में महाराणा उदय सिंह अपने पुत्र प्रताप को महाराणा का खिताब दिया। उसके बाद उनकी मृत्यु हो गयी। वैसे महाराणा उदय सिंह अपने अंतिम समय में अपनी प्रिय रानी भटियानी के पुत्र जगमाल सिंह को राजगद्दी पर बिठाना चाहते थे। प्रताप ने अपने पिता की अंतिम इच्छा के अनुसार उसके सौतेले भाई जगमाल को राजा बनाने का निश्चय किया। लेकिन मेवाड़ के विश्वासपात्र चुंडावत राजपूतों ने जगमाल सिंह को राजगद्दी छोडने को बाध्य कर दिया। तब जगमाल सिंह ने बदला लेने के लिए अजमेर जाकर अकबर की सेना में शामिल हो गया और उसके बदले में उसको जहाजपुर की जागीर मिल गयी। इस दौरान राजकुमार प्रताप को मेवाड़ के 54 वे शासक के साथ महाराणा का खिताब मिला।

1572 में प्रताप सिंह मेवाड़ के महाराणा बन गये थे। लेकिन वो पिछले पांच सालों में चितौड़गढ़ नहीं गये थे। महाराणा प्रताप को अपने पिता के चितौड़गढ़ को पुनः देख बिना मौत हो जाने का बहुत अफसोस था। अकबर ने चितौड़गढ़ पर तो कब्जा कर लिया था। लेकिन मेवाड़ का राज अभी भी उससे बहुत दूर था। अकबर ने कई बार अपने दूतों को महाराणा प्रताप से संधि करने के लिए भेजा। लेकिन महाराणा प्रताप ने संधि प्रस्तावों को ठुकरा दिया। 1573 में संधि प्रस्तावों को ठुकराने के बाद अकबर ने मेवाड़ का बाहरी राज्यों से सम्पर्क तोड़ दिया और मेवाड़ के सहयोगी दलों को अलग थलग कर दिया।

महाराणा प्रताप ने मुगलों से सामना करने के लिए अपनी सेना को अरावली की पहाड़ियों में भेज दिया। महाराणा युद्ध उस पहाड़ी इलाके में लड़ना चाहते थे जहां मेवाड़ की सेना थी। क्योंकि मुगल सेना को पहाड़ी इलाके में युद्ध लड़ने का बिल्कुल भी अनुभव नही था। पहाड़ियों पर रहने वाले भील भी राणा प्रताप की सेना के साथ हो गये। महाराणा प्रताप खुद जंगलों में रहने लगे ताकि वो जान सके कि स्वंत्रतता और अधिकारों को पाने के लिए कितना दर्द सहना पड़ता है। उन्होंने पत्तल पर भोजन किया, जमीन पर सोये और दाढ़ी नहीं बनाई। दरिद्रता के दौर में वो कच्ची झोपड़ियों में रहते थे जो मिट्टी और बांस की बनी होती थी।

18 जून 1576 को महाराण प्रताप के 20 हजार और मुगल सेना के 80 हजार सैनिको के बीच हल्दीघाटी का युद्ध शुरू हो गया। उस समय मुगल सेना की कमान अकबर के सेनापति मान सिंह ने संभाली थी। महाराणा प्रताप की सेना मुगलों की सेना को खदेड़ रही थी। महाराणा प्रताप की सेना में झालामान, डोडिया भील, रामदास राठोड़ और हाकिम खा सूर जैसे शूरवीर थे। मुगलों के पास तोंपे और विशाल सेना थी। लेकिन प्रताप की सेना के पास केवल हिम्मत और साहसी जांबाजों की सेना के अलावा कुछ भी नही था। महाराणा प्रताप के बारे में कहा जाता है कि उनके भाले का वजन 80 किलो और कवच का वजन 72 किलो हुआ करता था। इस तरह वह भाला, कवच, ढाल और तलवारों को मिलाकर कुल 200 किलो का वजन साथ लेकर युद्ध करते थे।

इतिहासकार कर्नल टॉड ने हल्दी घाटी के युद्ध को मेवाड़ की थर्मोपल्ली की संज्ञा दी है। इस युद्ध में महाराणा प्रताप का स्वामी भक्त एवं प्रिय घोड़ा चेतक मारा गया। हल्दी घाटी के युद्ध में पराजय के बावजूद महाराणा प्रताप के यश और कीर्ति में कोई कमी नहीं आई। बल्कि हल्दी घाटी को इस युद्ध ने समूचे भारत के स्वाधीनता प्रेमियों के लिए पूजनीय क्षेत्र बना दिया। वहीं इस युद्ध ने महाराणा प्रताप को जननायक के रूप में सम्पूर्ण भारत में प्रसिद्ध कर दिया।

हल्दी घाटी के युद्ध के बाद महाराणा प्रताप के जीवन में जिस संकट काल का प्रारंभ हुआ वह लगभग दस वर्ष (1576-1586) तक चला और बीतते समय के साथ वह अधिक विषम होता चला गया। इस दौरान गोगुन्दा से दक्षिण में स्थित राजा गांव में महाराणा के परिवार को घास की रोटी भी नसीब नहीं हुई और एक बार वन विलाव उनके भूखे बच्चों के हाथ से घास की रोटी भी छीन कर ले गया था।

इस संकट के समय में महाराणा प्रताप के मंत्री भामाशाह और उनके भाई ताराचंद ने 25 लाख रूपए तथा 20 हजार स्वर्ण मुद्राएं उनकों भेंट कर अपनी स्वामी भक्ति का परिचय दिया। इस धन से उन्होंने पुनः सेना जुटाकर दिवेर को जीत लिया और चांवड पंहुचकर अपना सुरिक्षत मुकाम बनाया। मेवाड़ के बचे हुये भू भाग पर फिर से महाराणा का ध्वज लहराने लगा। बांसवाड़ा और डूंगरपुर के शासकों को भी पराजित कर प्रताप ने अपने अधीन कर लिया। अकबर के आक्रामक अभियानों की समाप्ति के बाद मेवाड़ में नए युग का सूत्रपात हुआ। महाराणा प्रताप ने एक वर्ष में ही चितौड़गढ़ और जहाजपुर को छोड़कर सम्पूर्ण मेवाड़ पर सत्ता कायम कर ली। उन्होंने चांवड को अपनी राजधानी बनाकर राज्य में शांति व्यवस्था कायम की।

महाराणा प्रताप कुशल शासक होने के साथ-साथ पीडितों और विद्वानों का आदर भी करते थे। उनकी प्रेरणा से ही मथुरा के चक्रपाणी मिश्र ने विश्व वल्लभ नामक स्थापत्य तथा मुहूर्त माला नामक ज्योतिष ग्रंथ की रचना की। चांवड मे चावंड माता के मंदिर का निर्माण भी महाराणा प्रताप ने ही करवाया था। उनके दरबार में कई विख्यात चारण कवि थे। जिनमें कविवर माला सांदू और दुरासा आढ़ा ने उनकी प्रशंसा में उच्च कोटि की काव्य रचना की। सादड़ी में जैन साधू हेमरत्न सूरि ने गोरा बादल-पद्मिनी चौपाई की रचना भी महाराणा प्रताप के समय ही की थी। महाराणा प्रताप ने चावंड को चित्रकला का केन्द्र बनाकर नई चित्र शैली मेवाड़ शैली का प्रारम्भ करवाया था।

महाराणा प्रताप ने अपने जीवन के अंतिम दिनों में अपने पहले पुत्र अमर सिंह को सिंहासन पर बैठाया। महाराणा प्रताप शिकार के दौरान बुरी तरह घायल हो गये और उनकी 56 वर्ष की आयु में मौत हो गयी। उनके शव को 29 जनवरी 1597 को चावंड लाया गया। इस तरह महाराणा प्रताप इतिहास के पन्नों में अपनी बहादुरी और जनप्रियता के लिए अमर हो गये।

गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार

कुमार सिद्धार्थ
लेखक स्तंभकार हैं।

जंगलों के संरक्षण की वकालत करने वाला योद्धा आलोक शुक्ला

पर्यावरण कार्यकर्ता आलोक शुक्ला का जंगलों को बचाने का सातत्यपूर्ण प्रयास अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गया है। राज्य और केंद्र सरकार ने भले ही इन प्रयासों को बहुत अधिक महत्वपूर्ण नहीं माना हो, लेकिन खनिज समृद्ध राज्य छत्तीसगढ़ में 445,000 एकड़ जैव विविधता से समृद्ध जंगलों के संरक्षण की वकालत करने के प्रयासों और अनुकरणीय सामुदायिक अभियान के लिए उन्हें प्रतिष्ठित गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार से नवाजा गया है। आलोक को दिये गए इस सम्मान के बाद हसदेव अरण्य का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के सबसे बड़े मंच पर आ गया है।

हंसदेव अरण्य वनों को जिन्हें 'छत्तीसगढ़ के फेफड़ों' के रूप में जाना जाता है, को कोयला खनन से बचाने के लिए उन्होंने एक सफल अभियान चलाया। ये वन विविध वन्य जीवन के घर हैं और लगभग 15,000 आदिवासी लोगों के लिए महत्वपूर्ण संसाधन प्रदान करते हैं। आलोक शुक्ला गोल्डमैन एनवायरमेंटल अवार्ड 2024 से सम्मानित होने वाले छत्तीसगढ़ के पहले व्यक्ति हैं। इसके पूर्व ये अवार्ड नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेत्री मेधा पाटकर को प्रदान किया गया था।

पुरस्कार मिलने पर आलोक कहते है कि ये अवार्ड पूरे एशियाई महाद्वीप का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्रदान करता है, जो वास्तव में गर्व का क्षण है। यह मान्यता न केवल व्यक्तिगत रूप से मेरी है, बल्कि पिछले 12 वर्षों से हसदेव के समृद्ध जंगलों को बचाने के आंदोलन और मूल निवासियों के संघर्ष में शामिल प्रत्येक नागरिक की भी है। इससे हसदेव के जमीनी स्तर के संघर्ष को मजबूती मिलेगी और अंतरराष्ट्रीय समर्थन भी मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि आलोक ने 'सेव हसदेव अरण्य प्रतिरोध समिति' के संस्थापक सदस्य, स्थानीय समुदायों को अपने पारिस्थितिकी तबाही के खिलाफ विरोध करने के लिए संगठित किया। उन्होंने समुदायों को कानूनी रणनीतियों पर सलाह दी, गाँव पंचायतों को क्षेत्र को हाथी संरक्षित क्षेत्र के रूप में निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया और छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर के लिए 166 मील की प्रदर्शन यात्रा का नेतृत्व किया।

आलोक पिछले बीस वर्षों से छत्तीसगढ़ के गांवों में आदिवासियों के साथ काम कर रहे हैं। विभिन्न लोगों को एक साथ लाने की अपनी क्षमता के साथ, उन्होंने विभिन्न सामाजिक आंदोलन समूहों को मजबूत समर्थन दिया है और अनुसंधान और प्रकाशनों में योगदान दिया है। कोयला खनन, वन अधिकार और संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर उनके शोध और गहन विश्लेषण को व्यापक प्रशंसा मिली है। सामाजिक न्याय के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध एक युवा नेता के रूप में उन्हें राज्य और राष्ट्रीय मंचों पर व्यापक रूप से पहचाना जाता है।

तमाम सोशल मीडिया अभियानों, प्रेस कॉन्फ्रेंसेस और याचिकाओं के माध्यम से आलोक शुक्ला ने कौसे के लिए विस्तृत समर्थन प्राप्त किया। उन्होंने ट्री हगिंग प्रदर्शनों और प्रस्तावित खदानों के लिए काटे गए पेड़ों के विरुद्ध बैठकें और प्रदर्शन भी आयोजित किए। पर्यावरणीय कार्यकर्ताओं के लिए अविनाशी स्थिति के बावजूद, विकासवादी राष्ट्रीय सरकार की विरोधी प्रतिक्रिया के बावजूद, शुक्ला के प्रयासों ने राज्य विधानसभा को हसदेव अरण्य क्षेत्र में खनन के खिलाफ एक संकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया था।

आलोक के समुदाय संगठन और टिकाऊ प्रतिरोध तकनीकों के परिणामस्वरूप, छत्तीसगढ़ सरकार ने सभी 21 प्रस्तावित कोयला ब्लॉक को रद्द कर दिया, शक्तिशाली कॉर्पोरेशनों द्वारा 4,45,000 एकड़ बायोडाइवर्स वनों की नष्ट होने से रोका।

अक्टूबर 2020 में, उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों को लेमरू हाथी रिजर्व के रूप में 945,000 एकड़ जमीन को नामित करने के लिए ग्राम विधान परिषदों में पैरवी करने के लिए प्रेरित किया, जिससे हाथी गलियारे और इसकी सीमाओं को नियोजित कोयला खदानों से बचाया जा सके।

अक्टूबर 2021 में 500 ग्रामीणों के साथ राज्य की राजधानी रायपुर तक 10 दिवसीय, 166 मील के विरोध मार्च के बाद, अतिरिक्त 14 खदानें रद्द कर दी गईं। क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लगातार विरोध के कारण सितंबर 2020 में तीन खदानों को सार्वजनिक नीलामी से वापस ले लिया गया। 2022 के वसंत महीनों में, प्रस्तावित खदानों के लिए काटे गए 300 पेड़ों की कटाई के खिलाफ ग्रामीणों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया और पेड़ों को पकड़कर विरोध प्रदर्शन शुरू किया।

आलोक ने कम उम्र में ही लामबंदी, दस्तावेज़ीकरण और प्रशिक्षण के प्रभावी कौशल सीखकर नदी घाटी मोर्चा के साथ काम करना शुरू कर दिया। उनके प्रारंभिक अभियान शिवनाथ नदी (महानदी की एक सहायक नदी) को बचाने और स्पंज आयरन पौधों के तीव्र प्रसार के लिए थे। उन्होंने वन अधिकारों और स्थानीय शासन पर केंद्रित काम शुरू किया - ग्रामीण पारिस्थितिकी को मजबूत करने के लिए स्थानीय नेताओं के साथ मिलकर काम किया। वह प्रगतिशील समूहों और व्यक्तियों के राज्यव्यापी नेटवर्क, छत्तीसगढ़ बचाओ आंदोलन का एक अभिन्न अंग रहे हैं।

हसदेव अरण्य क्षेत्र में, कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों को पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा 'नो गो' के रूप में वर्गीकृत किया गया था, ताकि आगे किसी भी खनन गतिविधि को आगे न बढ़ाया जा सके - और हसदेव अरण्य के पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील और जैव-विविध वन क्षेत्रों की रक्षा के लिए कदम उठाए जा सकें। यह क्षेत्र अनुसूची V के अंतर्गत आता है और पेसा प्रावधान ग्राम सभाओं को सबसे महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाली संस्था होने की अनुमति देते हैं।

हसदेव के जंगल महानदी की सहायक हसदेव नदी का जलग्रहण क्षेत्र भी हैं। यह नदी हसदेव बांगो जलाशय के लिए जल विभाजक के रूप में कार्य करती है, जिससे 741,000 एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई होती है। 657 वर्ग मील में फैला हसदेव, भारत के सबसे व्यापक सन्निहित वन क्षेत्रों में से एक है। छत्तीसगढ़ राज्य, जिसका 44 प्रतिशत भाग वनाच्छादित है, में भारत का तीसरा सबसे बड़ा वन संकेंद्रण है। इसके अतिरिक्त, लगभग 15,000 आदिवासी-स्वदेशी लोग-अपनी आजीविका, सांस्कृतिक पहचान और भरण-पोषण के लिए हसदेव अरण्य वनों पर निर्भर हैं।

आलोक के सामुदायिक प्रयासों की पहल से हसदेव आंदोलन की सफलता ने देश में पर्यावरणीय न्याय के लिए एक मॉडल का रूप लिया है और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सांघर्षिकता उत्पन्न की है। आलोक का जंगलों के संरक्षण के लिए उठाया गया कदम आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण के साथ आदिवासियों, जन जीवों के अस्तित्व की रक्षा में सार्थक भूमिका अदा करेगा।

मतदान दलों को लेकर लौट रही बस ग्राम गौला के पास जलकर राख

चार पोलिंग बूथों पर 10 मई को होगा मतदान

बैतूल/मुलताई। मुलताई विधानसभा क्षेत्र में लोकसभा चुनाव के मतदान दल एवं मतदान सामग्री को लेकर लौट रही बस में ग्राम गौला के पास अचानक आग गई जिसमें संपूर्ण बस जलकर खाक हो गई। विजय बस सर्विस मुलताई की इस बस में 6 मतदान केंद्र के 39 लोग सवार थे। जिन्होंने किसी तरह पिछले दरवाजे एवं खिड़की के कांच फोड़ कर अपनी जान बचाई। हालांकि जन हानी नहीं हुई है किंतु ड्राइवर प्रकाश पवार ने बताया कि ईवीएम मशीन एवं पेड और अधिकारियों के कुछ बैग जले हैं। बस आगजनी के संबंध में प्रकाश पवार ने बताया कि सबसे पहले आग गियर बॉक्स में दिखाई दी उसने गाड़ी साइड में खड़ी करके वह कूद गया क्योंकि गेट लॉक होने लगा था।सेक्टर अधिकारी रवि कुमार वर्मा थे। बैतूल, आमला और मुलताई की फायर ब्रिगेड घटनास्थल पर पहुंची किंतु तब तक संपूर्ण बस जलकर राख हो गई थी।सहायक रिटर्निंग अधिकारी तृप्ति पटैरया, मौके पर पहुंच गई थी जो रात तक घटनास्थल पर मौजूद रही।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा 4 ग्रामों की हुई ईवीएम मशीन एवं पेड को सील कर लिया गया है और इसकी सूचना निर्वाचन आयोग को भेज दी गई है। जिसके आधार पर भारतीय निर्वाचन आयोग ने सचिव संदीप कुमार ने मुलताई विधानसभा के 129 के 296 मतदान केंद्रों में से चार मतदान केंद्रो पर पुनः मतदान कराए जाने का पत्र जारी कर दीया है। अब मुलताई विधानसभा क्षेत्र के चार पोलिंग बुथो पर 10 मई शुक्रवार को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक पुनः मत डाले जाएंगे। जिन पोलिंग बुंथो की ईवीएम मशीन एवं एवं पेड को नुकसान हुआ है उनमें राजापुर मतदान क्रमांक 275, मतदान दुदर रय्यत क्रमांक 276 , कुंदा रय्यत क्रमांक 279, चीचली माल क्रमांक 280 शामिल है ।

सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की अपील की गई है। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुक्रम में उपरोक्त मतदान केन्द्रों के ऐसे मतदाता जो मध्य प्रदेश के सीमावर्ती राज्यों में व्यवसाय, व्यापार, औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं अन्य स्थापनाओं के ऐसे नियोजित कामगार जो उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ राज्य के मतदाता है उन्हें मतदान हेतु नियत पुर्नमतदान के दिन सवैतनिक अवकाश प्रदान किया जाए। इस हेतु कारखाना प्रबंधकों से अधीनस्थ कार्यरत मजदूरों एवं कर्मचारियों को मतदान दिवस पर मतदान करने के लिए सार्वजनिक तथा सामान्य अवकाश प्रदान करने की अपील की गई है।

सवैतनिक अवकाश– निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार यह आदेश उन सभी 5 राज्यों के श्रमिकों पर लागू होगा जहां लोकसभा के सदस्यों का निर्वाचन क्षेत्र है। अवकाश मंजूर किए जाने के कारण किसी ऐसे व्यक्ति की मजदूरी से कोई कटौती या उससे कोई कमी नहीं की जाएगी और ऐसे व्यक्ति इस आधार पर नियोजित किया जाता है कि उसे सामान्यतः किसी ऐसे दिन के लिए मजदूरी प्राप्त नहीं होगी तो इस बात के होते हुए भी उसको ऐसे दिन के लिए यह मजदूरी संदत की जाएगी जो उस दिन उसे अवकाश मंजूर न किया जाने की दशा में दी गई हो। यदि कोई नियोजन उसका उल्लंघन करता है तो जुर्माना 500 रूपए तक दंडनीय होगा।

मुलताई विधानसभा के 4 मतदान केन्द्रों में 8 मई से धारा 144 लागू : कलेक्टर

8 मई शाम 6 बजे से 11 मई रात्रि 12 बजे तक रहेगी प्रभावशील

बैतूल। निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी निर्वाचन के दृष्टिगत कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मुलताई विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्रमांक-275 राजापुर, मतदान केन्द्र-276 डूडर रैय्यत, मतदान केन्द्र-279 कुंदा रैय्यत तथा मतदान केन्द्र-280 चिखलीमाल में धारा 144 लागू की है। 8 मई की शाम 6 बजे से 11 मई की रात्रि 12.00 बजे तक धारा 144 प्रभावशील रहेगी। असामाजिक तत्वों तथा अवैध सामग्री के परिवहन एवं निर्वाचन अवधि में लोक शांति, लोक सुरक्षा एवं जन साधारण के जीवन व संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। तीन किलोमीटर परिधि में सभी शराब की दुकानें बंद रहेगी।

प्रतिबंधात्मक अवधि के पूर्व गैर निर्वाचक छोड़े निर्वाचन क्षेत्र– आदेश के अनुसार ऐसे व्यक्तियों को जो निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता नहीं है। प्रतिबंधात्मक अवधि प्रारंभ होने 8 मई 2024 को शाम 6 बजे के पूर्व निर्वाचन क्षेत्र छोड़ना होगा। इस अवधि में कोई भी व्यक्ति या समूह, संगठन, संस्था, राजनैतिक दल बिना सक्षम स्वीकृति के किसी भी प्रकार की सभा, रैली, जुलूस आदि का आयोजन किसी भी सार्वजनिक स्थान पर नहीं करेगा। अभ्यार्थी द्वारा घर-घर प्रचार, जनसंपर्क कार्यक्रम, निजी वैवाहिक कार्यक्रम पर यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा। इस अवधि में लाउडस्पीकर और मेगा फोन का उपयोग भी प्रतिबंधात्मक रहेगा। स्थानीय क्षेत्र में पुर्न-मतदान के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

प्रचार हेतु धार्मिक स्थलों के उपयोग पर प्रतिबंध– आचार संहिता के अनुपालन में प्रतिबंधात्मक क्षेत्र में निर्वाचन प्रचार हेतु विभिन्न धार्मिक स्थल यथा मंदिर, चर्च, गुरूद्वारे, मस्जिद आदि स्थानों का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। इस अवधि के दौरान व्यक्ति/अभ्यर्थी अथवा राजनैतिक दल द्वारा किसी चिकित्सा, शैक्षणिक संस्थान, मतदान केन्द्र से 200 मीटर क्षेत्र में पार्टी/अभ्यर्थी अपना कार्यक्रम नहीं कर सकेगे।

धूमधाम से आज मनाई जाएगी सेन जयंती

युवक–युवती परिचय सम्मेलन व सम्मान समारोह होगा आयोजित

बैतूल। सेन समाज के आराध्य श्री सेन महाराज की जयंती आज गुरूवार सर्व सेन समाज द्वारा धूमधाम से मनाई जाएगी। अध्यक्ष रमेश बोरखड़े ने बताया कि आज प्रातः 9:30 बजे से सेन चौक से सेन पार्क पार्क तक शोभायात्रा निकाली जाएगी और प्रात 10:30 से शाम 4:30 बजे तक काशी तालाब सदर के समीप मैदान में युवक-युवती परिचय सम्मेलन, सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों का सम्मान समारोह, पूजन, उद्बोधन आदि किया जाएगा। उपाध्यक्ष नरेश राजू मालवीय, संजु श्रीवास, युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष दीपक मालवीय, युवा कोषाध्यक्ष भगवानदास बोरकर, नगर अध्यक्ष दिनेश देशकर, सदन कुरूवाले ने सभी स्वजातीय बंधुओं से उपस्थित होने की अपील की है।

मां- बेटे का कुएं में शव मिलने से फैली सनसनी, मवेशियों को पानी पिलाने गए थे खेत

बैतूल। मुलताई थाना क्षेत्र के ग्राम जाम में मवेशियों को पानी पिलाने गए मां-बेटे का शव कुएं में मिलने से सनसनी फैल गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम जाम निवासी अनिता भादे (35) और बेटा महेश (15) सोमवार शाम को मवेशियों को पानी पिलाने के लिए कुएं पर गए थे। दोनों मां-बेटे का शव कुएं में पड़ा मिला है। परिजन दिलीप ने बताया कि प्रतिदिन की तरह अनिता और उसका बेटा महेश खेत के कुएं पर मवेशियों को पानी पिलाने के लिए गई थी। जब वह घर नहीं लौटी तो परिजनों ने ढूंढना शुरू किया। खेत के कुएं में अनीता की चप्पल नजर आई। चप्पल के आधार पर वहां मौजूद लोगों ने कुएं में गल डालकर देखा तो गल के साथ अनिता का शव ऊपर आया। उसके बाद बेटे महेश का भी शव पानी पर ऊपर आ गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने कुएं के अंदर से मां-बेटे के शव को बाहर निकाला। संभावना जताई जा रही है कि महिला मवेशियों को पानी पिलाते समय कुएं में गिर गई हो और बेटा भी बचाने के लिए कुएं में कूद गया हो। घटना की सत्यता किसी को भी नहीं पता है। इधर मृतकों का मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमाट्म रिपोर्ट आने के बाद ही मां-बेटे की मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

खेत में काम करते समय युवक सांप के बिल पर गिरा, सांप ने युवक को काटा

बैतूल। खेत में करेले तोड़ने के दौरान एक युवक फिसलकर गिर गया इस दौरान युवक का हाथ सांप के बिल में चला गया और सांप ने युवक को काट लिया गंभीर हालत में युवक को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे परिजन सांप का दांत भी साथ लेकर पहुंचे यह घटना घोड़ाडोंगरी तहसील के पहाड़पुर गांव की जंहा बुधवार को खेत में करेले तोड़ने के दौरान युवक विजय बैरागी फिसलकर नीचे गिर गया जिससे युवक का हाथ सांप के बिल में चला गया। सांप ने युवक के हाथ में काटा लिया परिजनों ने युवक को गंभीर हालत में घोड़ाडोंगरी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर उसकी हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार सांप ने युवक के हाथ में काट लिया था सांप का दांत टूट कर युवक के हाथ में गड़ा रह गया। सर्प मित्र आदिल खान ने सांप दांत की पुष्टि की है और बताया कि यह दांत रसल वाइपर या कोबरा का दांत है।

समस्त मतदाताओं का भाजपा परिवार ने जताया आभार

बैतूल। लोकतंत्र को मजबूत करने वाले लोकतंत्र के महापर्व में बैतूल हरदा हरसूद ससंदीय क्षेत्र की जनता ने तीसरे चरण के मतदान में बढ - चढ कर हिस्सेदारी निभाई और बड़ी संख्या में राष्ट्हित में मतदान किया। भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला ने बैतूल जिले के समस्त मतदाताओ और उर्जावान कार्यकर्ताओ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिले की पांचो विधानसभाओं में मतदाताओ ने बडी संख्या में मतदान किया है। चाहे बडे बुजूर्ग हो या बहने या नवमतदाता हो हर वर्ग ने इस भीषण गर्मी के बाद भी मतदान किया। श्री शुक्ला ने कहा कि मतदान लोकतंत्र की ताकत है और लोकतंत्र का अधार है। भाजपा नेताओ ने मतदान प्रक्रिया में लगें सभी शासन, प्रशासन, पत्रकार, व्यापारियो, प्रबुद्धजनो, वकीलो, डाक्टर्स एवं समस्त जिले के पार्टी पदाधिकारियो एवं कार्यकर्ताओ का आभार व्यक्त किया है। आभार व्यक्त करने वालो में प्रदेश लोकसभा चुनाव संयोजक हेमंत खंडेलवाल, लोकसभा प्रत्याशी दुर्गादास उइके, विधायक महेन्द्रसिंह चौहान, चंद्रशेखर देशमुख, डा.योगेश पंडाग्रे, गंगा उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पंवार, उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे , समस्त जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, समस्त नपाध्यक्ष, नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष , जिला पदाधिकारी, मंडल प्रभारी व मंडल अध्यक्ष सहित समस्त भाजपा पदाधिकारी , कार्यकर्ता प्रमुख है।

लोकतंत्र को मजबूत करने वाले लोकतंत्र के महापर्व में बैतूल हरदा हरसूद ससंदीय क्षेत्र की जनता ने तीसरे चरण के मतदान में बढ चढ कर हिस्सेदारी निभाई और बडी संख्या में राष्ट्रहित में मतदान किया। भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला ने बैतूल जिले के समस्त मतदाताओ और उर्जावान कार्यकर्ताओ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिले की पांचो विधानसभाओं में मतदाताओ ने बडी संख्या में मतदान किया है। चाहे बडे बुजूर्ग हो या बहने या नवमतदाता हो हर वर्ग ने इस भीषण गर्मी के बाद भी मतदान किया। श्री शुक्ला ने कहा कि मतदान लोकतंत्र की ताकत है और लोकतंत्र का अधार है। भाजपा नेताओ ने मतदान प्रक्रिया में लगें सभी शासन, प्रशासन, पत्रकार, व्यापारियो, प्रबुद्धजनो, वकीलो, डाक्टर्स एवं समस्त जिले के पार्टी पदाधिकारियो एवं कार्यकर्ताओ का आभार व्यक्त किया है। आभार व्यक्त करने वालो में प्रदेश लोकसभा चुनाव संयोजक हेमंत खंडेलवाल, लोकसभा प्रत्याशी दुर्गादास उइके, विधायक महेन्द्रसिंह चौहान, चंद्रशेखर देशमुख, डा.योगेश पंडाग्रे, गंगा उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पंवार, उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, समस्त जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, समस्त नपाध्यक्ष, नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, मंडल प्रभारी व मंडल अध्यक्ष सहित समस्त भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता प्रमुख है।

26 वर्षीय युवक लापता, परिजनों ने कोतवाली में दर्ज की शिकायत

बैतूल। देशबंधु वार्ड टिकारी निवासी एक महिला ने कोतवाली थाने में उनके 26 वर्षीय पुत्र की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत कर्ता पीरन बी पति रफीक खान ने आवेदन के माध्यम से दो संदेही युवकों से पूछताछ कर खोजबीन करने की मांग की। पीरन बी ने बताया अनावेदकगण पैर से विकलांग है। 30 अप्रैल को उनके पुत्र सलमान को जयपुर (राजस्थान) के अस्पताल में नकली पैर लगवाने के लिए साथ में लेकर गए थे। एक विकलांग युवक विगत 2 मई को वापस आ गया और जब उन्होंने अनावेदक से पूछा तो उसने बताया सलमान स्टेशन पर छुट गया।

भोंडदेही एवं बड़मंगरा के ग्रामीणों ने भी किया चुनाव का बहिष्कार

बैतूल । लिखड़ी ग्राम पंचायत के आदिवासी बाहुल्य ग्राम भोंडदेही एवं बड़मंगरा के ग्रामीणों ने कल 7 मई को लोकसभा चुनाव में मतदान का बहिष्कार किया। सड़क की समस्या को लेकर किए गए बहिष्कार में भोंडदेही को बड़मंगरा के ग्रामीणों का भी साथ मिला। आदिवासी ग्राम बड़मंगरा के ग्रामीणों ने भोंडदेही के ग्रामीणों की समस्या को समर्थन देते हुए मतदान का बहिष्कार किया। बूथ क्रमांक- 192 दोनो ग्राम के ग्रामीणों का मतदान केंद्र था। जब सुबह से ही मतदान केंद्र पर ग्रामीण नही पहुंचे तो प्रशासन ने ग्रामीणों को लगातार समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण टस से मस नहीं हुए। आमला तहसीलदार पूनम साहु, जनपद सीईओ संजीत श्रीवास्तव ने वंहा पर ग्रामीणों को काफी समझाने के प्रयास किए, लेकिन ऐसा लगा कि ग्रामीण पहले से ही चुनाव के बहिष्कार का पक्का मन बना चुके थे। लिखडी ग्राम पंचायत सचिव खेमराज सूर्यवंशी ने बताया कि बूथ क्रमांक 192 पर भोंडदेही और बड़मंगरा ग्राम के लोग मतदान करते है। ग्रामीणों ने जिस सड़क की समस्या को लेकर वहिष्कार किया, वह भोंडदेही से छिपन्या पिपरिया तक बननी है। सड़क निर्माण को लेकर प्रक्रिया जारी है। इस मामले में जनपद सीईओ संजीत श्रीवास्तव से उनके मोबाइल पर सम्पर्क किया, परन्तु स्विच ऑफ होने से चर्चा नही हो सकी।

पोही जलाशय में खुलेआम जेसीबी से हो रहा अवैध उत्खनन, जलाशय का स्वरूप बिगाड़ रहे माफिया

बैतूल। आमला के ग्राम परसोडा लालावाडी के मध्य स्थित जलाशय की मिट्टी का अवैध उत्खनन कर उत्खननकर्ताओं द्वारा लाभ कमाया जा रहा है। जिससे तालाब के संरक्षक विभाग भी अनभिज्ञ है। तालाब के मिट्टी का व्यवसायिक उपयोग के लिए मनमाने तरीकों से खुदाई कर तालाब के स्वरूप को भी प्रभावित किया जा रहा है। जिसको लेकर जल संसाधन विभाग ग्राम पंचांयत से किसी प्रकार की कोई अनुमति नहीं ली गई है। जानकारी के अनुसार लालावाडी से रम्भाखेड़ी मार्ग पर ग्राम पोही में स्थित तालाब से मिट्टी का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। पंचायत द्वारा पूर्व में कराए गए गहरीकरण के स्थान पर ही अवैध रूप से खुदाई कर परिवहन का कार्य

रात में किया जाता है अवैध उत्खनन और परिवहन– उत्खननकर्ताओं द्वारा तालाब में खुदाई का कार्य कर दिन व रात में कर परिवहन किया जाता है।शाम के बाद से ग्राम रम्भाखेड़ी परसोडा के खेतो मे कई ट्रालियां एक के बाद एक मिट्टी भरकर ले जाती हुई, देखी जा सकती है। मिट्टी को लोगों के यहां डाला जा रहा है, वहीं इसके लिए राशि भी ली जा रही है। पूर्व में उतखनन के कई मामले सामने आ चुके है इसी इलाको मे मुरुम पत्थर के माफियाओ द्वारा के माध्यम से खुदाई कार्य कराया जाता था।

लंबे समय से हो रहा है अवैध उतखनन– पोही तालाब में वर्तमान में पानी नहीं होने के कारण तालाब पूरी तरह सूखा पड़ा हुआ है। जिसका फायदा उठाकर लंबे समय से अवैध खुदाई कार्य जारी है। तालाब में बड़े क्षेत्र में खुदाई देखी जा सकती है। अवैध उत्खनन से ग्राम पंचायत को राजस्व की हानि हो रही है। लेकिन इस पर कोई जांच या कार्यवाही नहीं की जा रही है। जबकि पूर्व में खुदाई को लेकर पंचांयत या राजस्व विभाग से अनुमति लेना होता था, लेकिन इस वर्ष दोनों ही विभागों ने अनुमति प्रदान नहीं की है, बावजूद उसके खुदाई जारी है।

तालाब की पाल पर दौड़ाते है ट्रेक्टर ट्राली– एक ओर जहां तालाब की उपयोगी मिट्टी की खुदाई कर व्यवसाय किया जा रहा है, वहीं ट्रेक्टर ट्राली तालाब की पाल पर से ही आवागमन किए जाने के कारण पाल क्षतिग्रस्त हो रही है। ट्रेक्टर ट्राली चालकों द्वारा तालाब के मध्य से रास्ता बनाकर पाल से ही खाली एवं भरी ट्राली लाई एवं ले जाई जाती है, जिससे पाल कमजोर हो रही है। ऐसे में बारिश के दौरान जब तालाब में पानी का भराव होता है, तब पानी का रिसाव पालों से ही होता है, और इसमें लंबे समय तक पानी नहीं रह पाता है। जिससे भी तालाब को लेकर नुकसान हो रहा है।

खनन माफिया उठाएंगे मौके का फायदा– बीते कुछ माह पूर्व उतखनन के मामले मे जिला मुख्यालय पर बैठक में द्वारा सार्वजनिक तालाब का गहरीकरण करने पर किसानों पर कोई कार्यवाही नहीं किए जाने निर्देश दिए है, लेकिन किसान मिट्टी का उपयोग खेतों में कर सकता है, बेच नहीं सकता है। लेकिन यहां कलेक्टर के आदेश के पहले ही रम्भाखेड़ी के खनीज माफिया द्वारा ही अवैध खुदाई कर व्यवसाय किया जा रहा है। ऐसे में जिला अधिकारी के इस निर्देश का फायदा किसान कम और खनन माफिया अधिक उठा रहे है। किसानों की आढ़ में मिट्टी का व्यवसाय किया जाता है। तब जांच भी होगी तो, किसानों के उपयोग बताकर जांच व कार्यवाही से बचा भी जा सकेगा।

श्री विनायकम स्कूल के समर कैम्प में सार्थक विधाओं से हो रहा बच्चों का स्किल डेवलपमेंट

बैतूल। विगत 22 वर्षों से संचालित जिले के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान श्री विनायकम स्कूल में 1 मई से 11 मई तक समर कैम्प का आयोजन चल रहा है, जिसमें ग्रेड 3 से 12 के विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभागिता दर्शा रहे हैं।

इस समर कैम्प के छठवें दिन अतिथि रूप में हॉकी व फुटबॉल के दो पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी श्री रमेश भाटिया एवं श्री नरेन्द्र ठाकुर जी ने समर कैंप का निरीक्षण किया। साथ ही अतिथि रूप में प्रसिद्ध मेकअप आर्टिस्ट श्रीमती सलोनी सरले ने भी श्री विनायकम स्कूल के समर कैम्प में विभिन्न विधाओं का अवलोकन किया। श्री रमेश भाटिया ने अपने वक्तव्य में बताया कि उन्होंने विभिन्न स्कूलों के समर कैम्प का अवलोकन किया है, किंतु इतनी सारी विधाओं में छात्र छात्राओं की इतनी बड़ी संख्या में प्रतिभागिता केवल श्री विनायकम स्कूल में ही देखने को मिली। श्री भाटिया ने अपने खेल जीवन के कुछ यादगार पलों को साझा कर, विद्यार्थियों को अनुशासन एवं परिश्रम का महत्व बताया। श्री नरेंद्र ठाकुर जी ने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने कहा कि विद्यालय नित निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है। इसका श्रेय विद्यालय प्रबंधन की दूरदर्शिता, स्कूल स्टाफ के समर्पित योगदान एवं विद्यार्थियों, पालकों व अभिभावकों के विद्यालय के प्रति

अटूट विश्वास को जाता है। यही कारण है कि निजी विद्यालय होने के बावजूद इस विद्यालय में निःशुल्क समर कैम्प आयोजित किया जा रहा है। वहीं श्रीमती सलोनी सरले जी ने भी विद्यालय द्वारा आयोजित इस निःशुल्क समर कैंप की प्रशंसा करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि श्रीविनायकम स्कूल शुरुआत से ही बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समुचित समग्र प्रयास करते आया है। इस निःशुल्क समर कैंप में बच्चों को आर्ट एंड क्राफ्ट, मेहंदी, स्केच के साथ साथ कैलीग्राफी की बेसिक टेकनिक और मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है। ये एक नवीन व उपयोगी कला है जिससे बच्चों का स्किल डेवलपमेंट भी होता है। साथ ही साथ विद्यालय के टीचिंग स्टाफ की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि आपके समर्पित प्रयासों के फलस्वरूप इस समर कैंप के सफल एवं निःशुल्क आयोजन हो पाया है। ये बात हमें दूसरों से भिन्न एवं श्रेष्ठ बनाती है। उल्लेखनीय है कि इस समर कैंप में क्रिएटिव आर्ट्स के अंतर्गत मेहंदी, रंगोली, आर्ट एंड क्राफ्ट का बेसिक ज्ञान दिया जा रहा है। वहीं परफॉर्मिंग आर्ट्स के अंतर्गत संगीत की गायन व वादन की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं, इसके साथ साथ डांस, ड्रामा व स्वयं को फिट और आनंदित रखने के लिए जुम्बा क्लासेस भी संचालित होती है। इसके अलावा स्पोर्ट्स में इंडोर गेम्स जैसे टेबल टेनिस, शतरंज व कैरम एवं आउटडोर गेम्स जैसे वॉलीबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, शॉटपुट, कबड्डी, खो-खो जैसे गेम्स संचालित किए जा रहे हैं। खास बात ये है कि ये समर कैम्प विद्यालय में अध्ययनरत ग्रेड 3 से 12 के विद्यार्थियों के लिए पूरी तरह निःशुल्क है। जिसमें कोई भी अतिरिक्त शुल्क नहीं है। उल्लेखनीय है कि विद्यालय की समस्त विधाओं में विद्यालयीन टीचिंग स्टाफ द्वारा सुनियोजित तरीके से बच्चों को समुचित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अतिथि के रूप में उपस्थित होकर श्री रमेश भाटिया, श्री नरेंद्र सिंह ठाकुर एवं श्रीमती सलोनी सरले ने श्रीविनायकम स्कूल की सहभागिता पर हर्ष जताया एवं प्रतिभागियों को मार्गदर्शन व प्रोत्साहन प्रदान किया।

चुनावी मंच

अशोक जोशी

(लेखक और समीक्षक)

राजनीति का नया लबादा, चाणक्य कम चैपलिन ज्यादा

इस बार के लोकसभा चुनाव में एक अजीब सी बात यह देखने की हर पार्टी के नेता ने अपने भाषणों में मर्यादा की सीमाएं लांघी। कोई किसी से पीछे रहना नहीं चाहता। चुनावी मंच से साफ़-साफ़ अपशब्द बोले जा रहे हैं और ऐसी टिप्पणी की जा रही है, जिसे स्पष्टतः अमर्यादित कहा जा सकता है। एक समय था जब नेताओं की वाकपटुता को चाणक्य की भाषा कहा जाता था। जबकि, आजकल के नेता चार्ली चैपलिन की तरह मसखरेपन पर उतर आए। राजनीतिक गंभीरता पूरी तरह हाशिये पर चली गई।

सन् 1977 की बात है। आपातकाल हटने के बाद इंदौर के राजवाड़ा पर अपार जनसैलाब उमड़ा था। पैर रखने तक की जगह नहीं थी। अटल बिहारी की पहली ऐतिहासिक सभा चल रही थी। अपने चिर परिचित अंदाज में वे कह रहे थे राजनीति मुझे रास नहीं आती ...! तभी भीड़ से एक तेज आवाज आती है और अटल जी अपना भाषण रोककर चेतावनी देते हैं 'ऐसा नहीं चलेगा, मैंने कभी किसी की कमर के नीचे वार नहीं किया है।' सभा में चुप्पी छा जाती है। हुआ कुछ यूं था कि आपातकाल से त्रस्त किसी ने इंदिरा जी को लेकर भद्दी टिप्पणी कर दी थी, जिसे सुनकर अटल जी बिफर गए थे। उन्होंने कहा था मैंने राजनीति में हमेशा शुचिता का पालन किया है। यदि आज के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य से देखा और सोचा जाए तो राजनीतिक शुचिता के दूर दूर तक दर्शन नहीं होते।

राजनीति में उपमाओं की शब्दावली में सबसे पहली और सर्वमान्य उपमा 'चाणक्य' की रही है। राजनीतिक कौशल को लेकर किसी सक्षम नेता को चाणक्य कहा जाता रहा है तो उसकी जुबान से निकले शब्दों को चाणक्य सूत्र तक बताया गया। भारत की राजनीति में ऐसे राजनीतिक कौशल रखने वाले वाचाल वक्ताओं और नेताओं का एक जमाना रहा है। इस वर्ग में पक्ष और विपक्ष के कई नेता हमारे यहां हुए हैं, जिनकी एक बात का राजनीतिक क्षेत्र में सम्मान और समर्थन किया गया है। जब अटल जी ने गोधरा कांड के बाद गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री को राजधर्म पालन करने की याद दिलाई तो उनके राजधर्म को एक मुहावरा बना दिया गया और आज भी राजनीति में कुछ गलत होता है तो राजधर्म की बात दोहरा दी जाती है।

लेकिन, गत कुछ वर्षो से हमारी राजनीति ने सद्भाव और सौहार्द्र का चोला उतारकर एक नया लबादा ओढ़ लिया। आज की राजनीति से चाणक्य दुर्लभ हो गए। उनकी जगह एक नए वर्ग ने राजनीति में आकार लेना आरम्भ कर लिया है जो चाणक्य कम और चैपलिन ज्यादा नजर आता है। यह ऐसा वर्ग है जो कुछ कहने के लिए कुछ नहीं कहता। यह जो कहता है इसलिए कहता है कि उनकी चैपलिन नुमा चर्चा से राजनीति के एरिना में सनसनी फैलाई जा सके।

राजनीतिक चैपलिन का यह वर्ग सार्वभौमिक हो गया। कम से कम इसमें किसी तरह का वर्ण और वर्ग भेद नहीं है। यह चैपलिन वर्ग अमूमन सभी राजनीतिक दल में पाया जाने लगा है। पक्ष और विपक्ष का भेद कम से कम यहां तो समाप्त हो गया है। अपने प्रतिद्वंदी को अपमानित करना ,उसे अपमानित करना, धौंस देना और यहां तक गालियां देना तक इसमें शुमार हो गया है। देश की सम्पत्ति को अमीर वर्ग से लेकर गरीबों में बांटने की परिकल्पना भले ही कभी पूरी न हो, लेकिन गालियों और अमानक भाषाओं का समान रूप से बंटवारा हो रहा है। इसमें सारे राजनीतिक दल अशिष्टता के समाजवाद का अक्षरशः पालन करते दिखाई दे रहे है।

हमारी राजनीति में स्टार प्रचारक के बाद अब स्टार चैपलिन नेताओं का युग आ गया है। जिसमें जयराम रमेश से लेकर जीतू पटवारी, गिरिराज सिंह से लेकर टी राजा सिंह, अखिलेश यादव से लेकर तेजस्वी यादव, ओवैसी से लेकर स्टालिन सबके सब एक से बढकर एक डिक्शनरियां लेकर ऐसे चुनिन्दा शब्द तलाश कर उपयोग में ला रहे है,जिसमें राजनीतिक चाणक्य शर्मसार हो रहा है और राजनीतिक चैपलिन मुस्कुरा रहा है। यहां भाषा और क्षेत्र का कोई भेद नहीं है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूरब से लेकर पश्चिम तक ममता बनर्जी, फारूक अब्दुल्ला, हेमंता बिस्वा, संजय राउत, कन्हैया कुमार, संजय सिंह, पवन खेडा, अजय राय, सुरजेवाला सभी राजनीतिक अशिष्टाचार के घोड़े पर सवार होकर एक दूसरे से आगे निकलने की रेस में शामिल है। ऐसा नहीं कि इस दौड़ में केवल बिगडैल घोड़े ही दौड़ रहे हैं। सुप्रिया श्रीनेत और कंगना राउत जैसी नेत्रियां भी राजनीतिक समुद्र में गंदी मछलियों की भूमिका निभा रही है।

राजनीतिक मसखरों और विदूषकों को भी अपनी अपनी शैलियों और अशिष्टता की रैंक के हिसाब से जूनियर और सीनियर केटेगरी में बांट दिया। जूनियर चैप्लिनों को कुछ भी कहने का हक है। यह अशिष्टता की सारी सीमाएं लांघ सकते है। जब बात बढ़ जाती है तो राजनीतिक दलों के पास एक ही जवाब या स्पष्टीकरण होता है कि यह उनके व्यक्तिगत विचार हैं। सीनियर चैपलिन अशिष्टता पर आकर्षक आवरण लगाकर इसे चाशनी में पिरो कर प्रस्तुत करते हैं। इनमें सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का शीर्ष नेतृत्व भी कभी कभार अपनी सहुलियत से शामिल होकर राजनीतिक चाणक्य का फेयरवेल कर राजनीतिक चैपलिन का वेलकम करने की कवायद में शामिल हो जाता है।

मतगणना हेतु सहायक रिटर्निंग एवं अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त

धार। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्रा ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के परिप्रेक्ष्य में मतगणना हेतु विधानसभा क्षेत्रों के लिये पदाभिहित सहायक रिटर्निंग ऑफिसर एवं अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किये जाने का आदेश जारी किया है। विधानसभा क्षेत्र सरदारपुर के लिये अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सरदारपुर मेघा पंवार को पदेन सहायक रिटर्निंग ऑफिसर एवं प्रभारी तहसीलदार सरदारपूर मुकेश बामनिया, प्रभारी नायब तहसील सतेन्द्रसिंह गुर्जर एवं पंकज यादव को अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र गंधवानी के लिये संयुक्त कलेक्टर अंकिता प्रजापति को एआरओ, प्रभारी तहसीलदार गंधवानी कुणाल अवास्या, प्रभारी नायब तहसीलदार बाग राहुल गायकवाड, प्रभारी तहसीलदार तिरला आशीष राठौर को अतिरिक्त एआरओ, कुक्षी के लिये अनुविभागीय अधिकारी कुक्षी प्रमोदसिंह गुर्जर को एआरओ, प्रभारी तहसीलदार कुक्षी सहदेव मोरे, नायब तहसीलदार जागरसिंह रावत, प्रभारी तहसीलदार काशीराम वास्केल को अतिरिक्त एआरओ, मनावर के लिये अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मनावर राहुल गुप्ता को एआरओ, तहसीलदार दिनेश सोनारतिया, नायब तहसीलदार सरिता गामड, राजेश भिण्डे को अतिरिक्त एआरओ, धरमपुरी के लिये अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पीथमपुर शाश्वत शर्मा को एआरओ, प्रभारी तहसीलदार शिवानी श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार अनिता बरेठा, कृष्णा पटेल को अतिरिक्त एआरओ, धार के लिये अनुविभागीय अधिकारी राजस्व धार रोशनी पाटीदार को एआरओ, प्रभारी तहसीलदार दिनेश उईके, जयेश प्रतापसिंह, तहसीलदार महेन्द्र चौहान को अतिरिक्त एआरओ तथा विधानसभा क्षेत्र बदनावर के लिय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बदनावर दीपक चौहान को मतगणना के लिये एआरओ एवं प्रभारी तहसीलदार सुरेश नागर, नायब तहसीलदार सुनील मीडियार व प्रशस्ति सिंह को मतगणना हेतु अतिरिक्त एआरओ नियुक्त किये गये है।

हिमाचल प्रदेश में धार के कराटे खिलाड़ी आराध्य सिंधिया एवं हर्षिता वास्केल ने जीते केश प्राइज, खिलाड़ियों ने जीते 9 गोल्ड

धार। हिमाचल प्रदेश के सोलन में कराटे फाइट लीग सीजन 3 का आयोजन हुआ। मध्य प्रदेश टीम के कोच पंकज सोलंकी एवं अजय परमार ने बताया कि मध्य प्रदेश टीम से 35 खिलाड़ियों और ऑफिशियल दक्षराज राठौड़ ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। धार एवं बदनावर के खिलाड़ी

आराध्य सिंधिया एवं हर्षिता वास स्केल ने सुपर गोल्ड इवेंट में शानदार फाइट कर 6000 का नगद पुरस्कार प्राप्त किया। धार एवं बदनावर के खिलाड़ियों ने 9 गोल्ड 8 रजत 4 कांस्य पदक जीतकर शहर का नाम रोशन किया। स्वर्ण पदक विजेता विनाया नोकन, कौशिक कुमरावत ,कनिष्क यादव, आराध्या सिंधिया, राजवीर राठौर, प्रांजल सिसोदिया ,निधि सीरवी, नवीन पाटीदार, हर्षिता वास्केल रजत पदक विजेता सौरभ पटेल, समर्थ शिवले, अविरा कौशल,आध्या दवे,खुशी जाट, ओजल जैन, राघव सिसोदिया (बंता), सौम्या राज सिंह राठौड़ कांस्य पदक विजेता सिद्धार्थ चौहान, इशिका, अनुष्का मोर ,मिलन पाटीदार का धार पहुंचने पर प्रदीप जोशी, दीपक शर्मा ऋतुराज देवड़ा ,सुरेश परमार,करण पटेल,विजय सोलंकी,द्वारा स्वागत किया गया।

सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा परशुराम जयंती पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया

धार। सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा दो दिवसीय परशुराम जयंती की शुरुआत सांस्कृतिक कार्यक्रम से की गई. उत्सव की शुरुआत भगवान परशुरामजी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन के साथ की गई. पश्चात ब्राह्मण समाज के नन्हे मुन्ने बच्चों ने धार्मिक थीम पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी. बाल कलाकार अनिकेत मिश्रा द्वारा भगवान परशुराम का वेश धारण कर सभी को मंत्रमुग्ध किया. पंडित हर्षित मिश्रा मित्र मंडल द्वारा हनुमान चालीसा एवं भजनों की प्रस्तुति दी गई.

कार्यक्रम के अंत में समस्त प्रतिभागियों को अतिथिगण द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया. कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विश्वास पांडे, धर्मेंद्र जोशी, अशोक शास्त्री, छोटू शास्त्री, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, अनिल तिवारी,ऋषि भार्गव, गोटू शुक्ला, प्रवीण शर्मा वरदान तिवारी , जितेंद्र पांड्या ,पुनीत तिवारी, राजा शर्मा, मीना दुबे ,पूनम शर्मा सोनल दुबे ,जागृति शर्मा ,सोनल शर्मा ,प्रियंका शर्मा,इति वैष्णव सहित महिला मंडल युवा संगठन के पदाधिकारी उपस्थित थे. जानकारी सर्व ब्राह्मण समाज के सचिव प्रवीण शर्मा द्वारा दी गयी।

संत शिरोमणि सेन जी महाराज की नगर में निकली शोभायात्रा, हजारों की संख्या में शामिल हुए समाजजन

देवास। संत शिरोमणि सेन जी महाराज की 724 वीं जयंती के अवसर पर सेन युवा संगठन द्वारा भव्य शोभा यात्रा एवं भण्डारे का आयोजन किया गया। संगठन जिला अध्यक्ष जीतु चौहान ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सेन जयंती धूमधाम से मनाई गई। जिसके अंतर्गत विविध आयोजन हुए। 7 मई को बस स्टैंड स्थित सेन धर्मशाला में सेनेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना व महाआरती के साथ शोभायात्रा प्रारंभ हुई। जो एबी रोड होते हुए जबरेश्वर महादेव मंदिर, पीठा रोड, अलंकार मार्केट, नावेल्टी चौराहा, सुभाष चौक, शालिनी रोड, जवाहर चौक होते हुए पुनः प्रारंभिक स्थल सेन धर्मशाला पहुंचकर सम्पन्न हुई। शोभायात्रा में समाजजनों को भगवा दुपट्टा ओढाया गया। शोभायात्रा में रथ पर सवार सेन जी महाराज का चित्र, बैण्ड, डीजे, घोडे, बग्गी आदि आकर्षण का केन्द्र थे। समाज के युवा भजनों पर नृत्य करते हुए चल रहे थे। यात्रा में आगे मातृशक्ति ढोल पर नृत्य करते हुए चल रही थी। वहीं पीछे समाज के युवा व वरिष्ठजन शामिल थे। शोभायात्रा का विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों ने पुष्प वर्षा एवं सल्पाहार

से स्वागत किया। यात्रा पश्चात सेन धर्मशाला में महाप्रसादी (विशाल भण्डारा) का आयोजन हुआ। जिसमें हजारों की संख्या में समाजजनों ने प्रसादी ग्रहण की। उक्त इस अवसर पर स्वामी योगेन्द्र भारती, नेता सत्तापक्ष मनीष सेन, अशोक चौहान, राष्ट्रीय कवि जगदीश सेन, नगर अध्यक्ष महेश बोडाने, जिला महामंत्री पंकज वर्मा, कचरूलाल वर्मा, बंशीलाल रेनिवाल, पुरूषोत्तम चौहान, धर्मेन्द्र रेनिवाल, अशोक वर्मा, सेवा युवा संगठन नगर अध्यक्ष राकेश वर्मा, जगदीश गोयल, संतोष वर्मा, रामेश्वर नागेश, रामेश्वर राठौड, राजेन्द्र राठौड, डॉ. अनिल वर्मा मावा, शंकरलाल नागेश, अनिल वर्मा, अजय परमार, डॉ. धीरज वर्मा, सुनील वर्मा, दीपक परमार, रूपेश वर्मा, हेमू वर्मा, जोंटी राठौड, रमेश वर्मा, लाखन वर्मा, प्रेम पवार, गोपाल वर्मा, निलेश सेन, निलेश श्रीवास, गोवर्धनलाल वर्मा, मनोज सेन, गौरव सेन, आशीष वर्मा, सौरभ सेन, शंकर सेन, धीरज सेन सहित बडी संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चे का लोकसभा सम्मेलन संपन्न

धार। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चे का लोकसभा सम्मेलन धार में भाजपा कार्यालय पर अयोजित किया गया बैठक में सर्वप्रथम भीमराव अंबेडकर पित्र पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर कैलाश जाटव , भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेश गिरजे, लोकसभा प्रभारी अमर पेडारकर, अजा मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनमचंद फकीरा , द्वारा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया गया बैठक में प्रदेश अध्यक्ष कैलाश जाटव द्वारा बताया गया कि प्रत्येक अनुसूचित जाति बस्ती में घर-घर जाकर मोदी जी की राम-राम कहकर उन्हें बताना है कि संत रविदास जी का 100 करोड़ से अधिक लागत का भव्य मंदिर बनाने का कार्य किसी सरकार ने किया तो भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है। प्रत्येक दलित बस्ती में 370 से अधिक मत भारतीय जनता पार्टी के बढ़ाने का कार्य हम सभी को करना है। इस अवसर पर विधानसभा के प्रभारी मोर्चे के मंडल अध्यक्ष महामंत्री सहित हरिओम मलैया,भरत मकवाना चंदन बरडिया सीताराम यादव कृष्णा बघोले मोहन चौहान गणपत कश्यप शालिग्राम परमार आदि प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सम्मेलन का संचालन भाजपा जिला महामंत्री अजा मोर्चा ज्वाला सोलंकी व आभार सीताराम यादव द्वारा किया गया। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

मध्यप्रदेश की राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम में देवास के खिलाड़ी चयनित

देवास। जिला बास्केटबॉल संघ सचिव संजय पाटिल ने बताया कि भारतीय बास्केटबॉल संघ के तत्वावधान में दिनांक 8 से 14 मई 2024 तक एमराल्ड हाइट इंटरनेशनल स्कूल इंदौर(मध्यप्रदेश) में 74वी जूनियर राष्ट्रीय बास्केटबॉल स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है जिसमे देश के 28 राज्यो के 1200 खिलाड़ी भाग ले रहे है, उक्त स्पर्धा के लिए मध्यप्रदेश टीम की घोषणा मध्यप्रदेश बास्केटबॉल संघ के सचिव अविनाश आनंद ने की, जिसमे देवास बास्केटबॉल संघ के दो खिलाड़ी, गौतम पाल एवं आयुष यादव का चयन मप्र की राष्ट्रीय जूनियर बास्केटबॉल टीम में चयन किया। उक्त खिलाडियों के चयन पर बास्केटबॉल संघ अध्यक्ष मनीष पनवार, जिला खेल अधिकारी हेमंत सुवीर, एन.आई.एस. कोच धर्मेंद्र ठाकुर, रईस खान,हेमेंद्र निगम(काकू), शक्ति गौड़, संतोष गौड़,भारत राजपूत, हेमंत

जोशी संग्राम साठे, चंदू शुक्ला,निसार खान,जावेद पठान, वीरेन्द्र ठाकुर,आकाश अवस्थी, पवन वर्मा, हरीश मालवीय आदि ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

सतुवाई अमावस्या पर विवेकानंद घाट पर उमड़ी स्नानार्थियों की भीड़..

नर्मदापुरम। नर्मदा में सुरक्षित स्नान करने के लिए अब विवेकानंद घाट का महत्व स्नानार्थियों में बढ़ चला, नर्मदा के इस घाट पर स्नानार्थियों की भीड़ बढ़ने का कारण इस घाट पर दूर तक नर्मदा में गिरने वाला ऐसा कोई नाला नहीं जो नर्मदा में स्नान ध्यान करने वालों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाता हो। विश्व प्रसिद्ध सेठानी घाट के निकट बहते नाले घाट के पानी से कई मर्तबा ऐसी स्थिति बन जाती है कि स्नानार्थियों को नाक-भौंह सिकुड़ना पड़ता है। वर्षों हो गए लाखों रुपए इस नाले को बंद करने के बहाने खर्च किए जा चुके लेकिन गंदगी सहित गिरने वाले इस नाले को आश्वासनों के बंद नहीं कराया जा सका। आज वैशाख अमावस्या के मौके पर विवेकानंद घाट पर स्नानार्थियों की सुबह से ही भीड़ रही। कृष्ण पक्ष की इस अमावस्या को बड़ी अमावस्या भी कहा जाता है जो वर्ष भर में पड़ने वाली 12 अमावस्यां में शामिल हैं। आज सुबह ब्रह्म मुहूर्त में स्नान कर उदय होते भगवान भुवन भास्कर को जल अर्पित करने का विशेष महत्व है, पितृरों को प्रसन्न करने के लिए आज उनकी भावप्रधान पूजा करने का भी विशेष महत्व बताया गया है, कहा गया है कि इस दिन पितृलोक के द्वार खुलते हैं। जो परिजनों के घर के आसपास वायु के साथ विचरते और अपेक्षा करते हैं। जिन्हें जलांजलि अर्पित कर प्रसन्न किया जाता है। आज श्रद्धालुओं ने घाट पर सत्तू दान कर सत्तू का सेवन किया। वैसे तो गर्मी के दिनों में सत्तू का सेवन करने गर्मी के दुष्प्रभाव एवं लू की चपेट से बचा जा सकता है साथ ही सत्तू का प्रयोग करने से लू लगने का खतरा कम होता है। सत्तू शरीर में ठंडक पैदा करता है। यदि आपको बार-बार भूख लगती है या फिर आप लंबे समय तक भूखे नहीं रह सकते, तो सत्तू आपके लिए लाभदायक होता है।

परिक्रमा

चुनाव प्रचार में तल्ख होती राजनेताओं की जुबानी जंग

अरुण पटेल

लेखक सुबह सवेरे के प्रबंध संपादक हैं।
संपर्क-
09425010804
07999673990

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित 11 राज्यों की 93 लोकसभा सीटों पर मंगलवार 07 मई 2024 को औसतन लगभग 66 प्रतिशत मतदाताओं ने तीसरे चरण के मतदान में कुछ पूर्व मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों सहित अनेक दिग्गज उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों में कैद कर दिया। उम्मीदवारों में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तथा ज्योतिरादित्य सिंधिया और पूर्व मुख्यमंत्रियों में शिवराज सिंह चौहान एवं दिग्विजयसिंह शामिल हैं। यदि बोलचाल की भाषा में कहा जाए तो राजा, महाराजा तथा मामा का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया है और मतदाताओं ने अपना क्या फैसला सुनाया है यह आगामी 4 जून को मतगणना के साथ पता चल सकेगा। तीसरे चरण के मतदान में गुजरात के गिर जंगल के सुदूर क्षेत्र में एक मतदान केंद्र सिर्फ एक वोटर के लिए स्थापित किया गया, वहां महंत हरिदास नामक पुजारी ने मतदान किया। यह मतदान केंद्र जूनागढ़ जिले में बनाया गया था। चुनाव आयोग ने यह मतदान केंद्र यह संदेश देने के लिए शायद बनाया कि एक-एक वोट महत्वपूर्ण है। एक मतदाता से मतदान कराने के लिए दस लोगों की टीम वहां पहुंची और मतदान कर्मियों को दो दिन की यात्रा करनी पड़ी।

एक ओर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे थे तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी धार व खरगोन में इंडिया गठबंधन पर जमकर शाब्दिक हमला करते हुए कह रहे थे कि नकली सेक्यूलरिज्म के नाम पर भारत की पहचान मिटने नहीं देंगे। 400 सीट जीतने के लिए समर्थन मांगने के संबंध में मोदी ने कहा कि यह इसलिए मांग रहा हूं ताकि कांग्रेस और इंडी गठबंधन की हर साजिश को रोक सकूं।

उधर बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती जिन पर अक्सर भाजपा के हित साधने और उसके इशारे पर उम्मीदवार उतारने

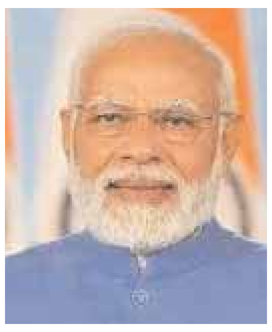

का आरोप लगता रहा है, ने एक और उम्मीदवार को जैसे ही बदला उन पर यह आरोप लगा कि यह वह भाजपा के इशारे पर कर रही हैं। चुनाव अभियान के दौरान मायावती ने अपने भतीजे आकाश आंनद को नेशनल कोआर्डीनेटर और अपने उत्तराधिकारी के पद से हटा दिया। इसके पीछे उन्होंने वजह यह बताई कि अभी वह पूर्ण परिपक्व नहीं हुए हैं। मायावती ने एक्स पर पोस्ट लिखी कि बीएसपी एक पार्टी के साथ ही बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के आत्म सम्मान व स्वाभिमान तथा सामाजिक परिवर्तन का भी मूवमेंट है जिसके लिए मान्यवर काशीराम व मैंने स्वयं अपनी पूरी जिन्दगी समर्पित की है और इसे गति देने के लिए नई पीढ़ी को भी तैयार किया जा रहा है, जिसमें अन्य लोगों को आगे बढ़ाने के लिए आकाश आनंद को नेशनल कोआर्डीनेटर व अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था किन्तु पार्टी व मूवमेंट के व्यापक हित में पूर्ण परिपक्वता आने तक अभी उन्हें इन दोनों अहम जिम्मेदारियों से अलग किया जा रहा है। मायावती ने यह भी लिखा कि आकाश आनंद के पिता आनंद कुमार अपनी जिम्मेदारी पहले की तरह निभाते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि हाल ही में सीतापुर पुलिस ने बसपा नेता आकाश आनंद के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की थी क्योंकि आकाश आनंद ने चुनावी रैली करते हुए बीजेपी सरकार की तुलना आतंकवादियों से की थी। इसके बाद ही आकाश आनंद की चुनावी रैलियां भी निरस्त कर दी गई थीं।

तीसरे चरण के मतदान के बीच ही झारखंड राज्य में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरक्षण के मुद्दे को लेकर भाजपा पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि वह तो संविधान फाड़कर फेंकना चाहती है। इंडिया गठबंधन पर आदिवासियों के बीच मोदी गरज-बरस रहे थे तो राहुल भी आदिवासियों के बीच ही आरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री के आरोपों का जवाब देते हुए आदिवासी और अदाणी का नाम ले रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस संविधान के लिए आपके बुजुर्गों ने जान दी थी आज उसे भाजपा के लोग खत्म करने में लगे हैं। संविधान से आरक्षण, नौकरी और बच्चों को शिक्षा मिलती है यदि यही मिट जायेगा तो आदिवासी-दलित कहीं के नहीं रहेंगे। राहुल ने आरोप लगाया कि अदाणी की नजर आपकी जमीन, जंगल और जल पर है और नरेन्द्र मोदी अदाणी के लिए काम करते हैं न कि आदिवासियों के लिए तथा दोनों चाहते हैं कि संविधान खत्म हो जाये और उनका राज चले। हम इसे कभी खत्म नहीं होने देंगे और इसके लिए हम जान देने को तैयार हैं। मोदी ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की, नई संसद भवन का उद्घाटन किया, देश की राष्ट्रपति आदिवासी हैं इसलिए वे कहीं नजर नहीं आईं, मोदी के दिल में आदिवासियों के लिए कोई जगह नहीं है, अब यह आपको निर्णय करना है कि अदाणी-मोदी की सरकार बनायेंगे या आदिवासी व दलितों की।

शहडोल में छात्रा से गैंगरेप के 5 आरोपी अरेस्ट

रीवा और उमरिया में छिपे थे; आरोपियों के घर गिराने पहुंची प्रशासन की टीम

शहडोल (नप्र)। शहडोल में 10वीं की छात्रा से गैंगरेप के पांचों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार रात सभी आरोपियों को उमरिया और रीवा जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से पकड़ा। बुधवार को प्रशासन की टीम कल्याणपुर में आरोपियों के घर गिराने पहुंची। इस दौरान प्रशासनिक टीम को विरोध का सामना करना पड़ा। प्रशासन ने कल्याणपुर में स्थित आरोपी ऐश्वर्य निधि गुप्ता की दुकान को ढहा दिया है। इसके बाद दूसरे आरोपियों के घरों को गिराया जाएगा। शहडोल एसपी कुमार प्रतीक ने बताया कि शहडोल जोन के एडीजी डीसी सागर के निर्देशन में पुलिस की कई टीमें उमरिया और रीवा जिले के अलग-अलग हिस्सों में लगातार दबिश दे रही थी। पुलिस ने आरोपी ऐश्वर्य निधि गुप्ता उर्फ लल्लू गुप्ता (36) पिता स्वामीशरण गुप्ता, शाहिल कुरैशी (22) पिता शहीद कुरैशी, मोहम्मद शमीम (18) पिता मो. अकरम, मो. अफजल अंसारी (28) पिता फारूख, कैलाश उर्फ मन्नू पनिका (29) पिता राजू पनिका को पकड़ा है।

ये है पूरा मामला

शहडोल में सोमवार रात को 15 वर्षीय छात्रा के साथ पांच लोगों ने गैंगरेप किया। छात्रा कोचिंग से घर जा रही थी। रास्ते में उसे दोस्त मिल गया। दोनों घूमने निकल गए। शहर के केंद्रीय विद्यालय के करीब पांच युवक आ गए। युवकों ने छात्रा के दोस्त से मारपीट की। इसके बाद छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोपियों ने वीडियो भी बनाया। छात्रा को धमकी दी कि किसी को बताया तो वीडियो वायरल कर देंगे। पीड़िता दोस्त के साथ घर पहुंची और परिजन को पूरी घटना बताई। इसके बाद परिजन छात्रा को पुलिस थाने ले गए।

सप्रे संग्रहालय 11 प्रतिभावान

पत्रकारों को पुरस्कृत करेगा

भोपाल। ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय प्रदेश के 11 प्रतिभावान पत्रकारों को पुरस्कृत करेगा। वर्ष 2024 के लिए चयन समिति ने सर्वसम्मति से पत्रकारों का चयन किया है। इंदौर के प्रखर पत्रकार कीर्ति राणा को हुकुमंच नारद सम्मान तथा माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि के प्राध्यापक डा. संजीव गुप्ता को मीडिया शिक्षा सम्मान प्रदान किया जाएगा। इन पुरस्कारों की घोषणा माधवराव सप्रे संग्रहालय एवं शोध संस्थान के संस्थापक विजयदत्त श्रीधर ने की है। इसके तहत अपर संचालक जनसंपर्क जी.एस. वाधवा को संतोष कुमार शुक्ल पुरस्कार, 'पत्रिका' के स्थानीय संपादक महेन्द्र प्रताप सिंह को माखनलाल चतुर्वेदी पुरस्कार, 'नवदुनिया' के संपादक संजय मिश्रा को लाल बलदेवसिंह पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। दैनिक भास्कर के वरिष्ठ संवाददाता भीम सिंह मीणा को जगत पाठक पुरस्कार, सुश्री पल्लवी वाघेला वरिष्ठ संवाददाता पीपुल्स समाचार को जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी पुरस्कार, बंसल न्यूज की वरिष्ठ संवाददाता सुश्री रंजना दुबे को झाबरमल्ल शर्मा पुरस्कार, अजीत द्विवेदी वरिष्ठ संवाददाता राज एक्सप्रेस को सुरेश खरे पुरस्कार, 'हरिभूमि' के फोटो जर्नलिस्ट राकेश सैनी को होमी व्यारावाला पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

म.प्र.के कई जिलों में हीट वेव के बाद बारिश

आंधी-ओले और बिजली गिरने का अलर्ट, भोपाल में हुई बारिश, 2 दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा

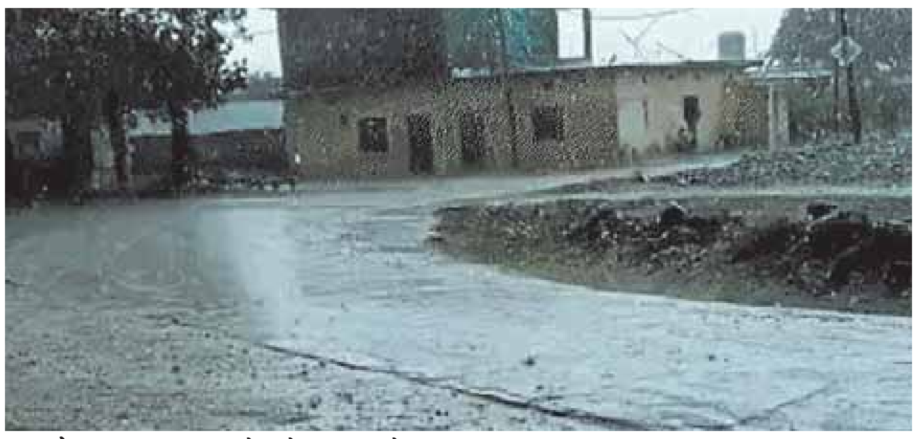

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में बुधवार को 9 शहरों में हीट वेव के अलर्ट के बीच कई जगह बारिश हुई। इंदौर में दोपहर 1:30 बजे पानी गिरा। मंदसौर के खजूरी आंजना गांव में भी करीब 40 मिनट तक तेज बारिश हुई। करीब 5 बजे भोपाल में भी तेज बारिश हुई। खरगोन, रतलाम और उज्जैन में कई जगह पानी गिरा। वहीं, खंडवा में बूंदाबांदी हुई तो भोपाल में 5 बजे बाद के बारिश हुई। आगर मालवा जिले में सुबह से बादल छाए रहे। दोपहर बाद तेज हवाओं के साथ पहले हलकी, फिर तेज बारिश हुई। करीब आधा घंटे गिरे पानी से सड़कें डूब गईं।

तेज गर्मी के बीच रतलाम, खरगोन में बारिश

बुधवार को तेज गर्मी के बीच रतलाम और खरगोन में बुधवार शाम तेज बारिश शुरू हो गई। तेज हवाएं भी चलीं। रतलाम के जावरा, ढोढर समेत अन्य जगह भी पानी गिरा। खरगोन में बुधवार को तापमान 42 डिग्री के पार रहा। शाम 4:15 बजे अचानक मौसम बदला। हवाओं के साथ करीब 15 मिनट तक तेज बारिश हुई। भगवानपुरा तहसील में सरवर देवला, बनहेर क्षेत्र में पानी गिरा।

मौसम विभाग के अनुसार, विदिशा, सागर, दमोह, बैतूल, खरगोन, रतलाम के धोलावाड़, उज्जैन और पन्ना में अगले कुछ घंटों में हल्की धूलभरी आंधी चलने का अनुमान है। आकाशीय बिजली गिरने, गरज-चमक, बारिश और ओले गिरने की भी आशंका है। इसी तरह आगर, राजगढ़, शाजापुर, देवास, रायसेन, बड़वानी, खरगोन, भोपाल, खंडवा, बुरहानपुर, गुना, अशोकनगर, ग्वालियर, छतरपुर, जबलपुर, सिवनी, मंडला, सतना, सिंगरौली, अनूपपुर, डिंडोरी, कटनी, रीवा और मैहर जिलों में भी बादल छाए रहेंगे। हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है।

प्रदेश में अगले 2 दिन ऐसा मौसम

9 मईः ग्वालियर, दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह, सतना, खरगोन और खंडवा में हीट वेव चलेगी। इंदौर, उज्जैन, धार, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, अनूपपुर, सीधी और सिंगरौली में आंधी-बादल रहेंगे।

10 मईः ग्वालियर, दतिया, खरगोन और खंडवा में हीट वेव का अलर्ट है। इंदौर, धार, शाजापुर, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, बालाघाट, उमरिया, कटनी, पन्ना, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सागर, छतरपुर, दमोह, टीकमगढ़, निवाड़ी, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, भिंड और मुरैना में बादल छा सकते हैं।

उज्जैन में डंपर में घुसी कार, 2 की मौत,7 घायल

बाइक से टकराने के बाद डंपर के ड्राइवर ने ब्रेक लगाए, पीछे से कार घुस गई

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में नागदा-उन्हेल रोड पर एक डंपर में कार घुसने से 2 महिलाओं की मौत हो गई। कार ड्राइवर समेत 7 लोग घायल हैं। इनमें से 3 को गंभीर हालत में इंदौर रेफर किया गया है। परिवार रतलाम से खरीदारी कर उन्हेल (उज्जैन) लौट रहा था। हादसा मंगलवार देर रात 10 बजे हुआ।

जानकारी के मुताबिक डंपर एक बाइक से टकराया तो ड्राइवर ने ब्रेक लगा दिए, इतने में पीछे से आ रही कार उसमें घुसकर आगे से बुरी तरह चपटी हो गई। हादसे में बाइक चालक भी घायल हुआ है।

उन्हेल की रहने वाली सुशीला (40) पत्नी भगवान सिंह, बेटी अंजलि (19), अंशिका (14), पूजा (12), निहारिका (5) के साथ रतलाम खरीदारी करने गई थीं। उनकी बेटी अंजलि की कुछ रोज पहले ही सगाई हुई है। परिवार के संदीप (20), सावित्री बाई (40), चंदा (30) और रामेश्वर भी साथ थे।

उज्जैन आने से पहले दो घायलों ने दम तोड़ा

रतलाम से उन्हेल लौटने के लिए उन्होंने कार किराए पर की। इसे ड्राइवर सादिक (18) निवासी मंडवासा चला रहा था। नागदा और उन्हेल के बीच हरियाली ढाबे के पास कार के आगे चल रहे डंपर और बाइक में एक्सीडेंट हो गया। कार भी पीछे से जा घुसी। घायलों को नागदा के उन्हेल स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां से पूजा और रामेश्वर को छोड़ बाकी लोगों को उज्जैन जिला अस्पताल रेफर किया गया। रास्ते में सावित्री बाई और चंदा की मौत हो गई। गंभीर घायल होने पर सुशीला, उनकी बेटी अंशिका और संदीप को इंदौर रेफर कर दिया गया। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का आगे का हिस्सा बुरी तरह चपटा हो गया।

बाइक चालक भी घायल

ग्राम कुंडला निवासी रामेश्वर रूप (40) बाइक से उन्हेल से अपने गांव जा रहा था। यह भी इस डंपर से टकराने से घायल हो गया। एसपी प्रदीप शर्मा, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह, सांसद अनिल फिरोजिया, तराना विधायक महेश परमार भी अस्पताल पहुंच गए थे।

भोपाल वन-विहार से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में आया नया मेहमान

सीहोर में किसान के घर में घुसा था यही तेंदुआ

नर्मदापुरम (नप्र)। भोपाल के वन विहार से लाए तेंदुए को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के चूरना में छोड़ा गया। रात 1 बजे एसटीआर की टीम ने सुरक्षा के साथ तेंदुआ को छोड़ा। पिंजरे से बाहर आते ही तेंदुआ दौड़ते हुए सुखी घास से होते हुए अंधेरे में चला गया। एसटीआर में तेंदुआ को छोड़ने से तेंदुआ के कुनबे में एक ओर सदस्य बढ़ गया। एसटीआर की टीम ने

मंगलवार रात को इस तेंदुए को भोपाल वन विहार से लेकर आई थी। इस मादा तेंदुआ की उम्र 3 साल है। पिछले महीने सीहोर जिले के लाड़कुई के ग्राम किशनपुर में एक किसान प्रहलाद सिंह के घर में ये तेंदुआ घुस गया था। ग्रामीणों ने तेंदुए को घर में घुसते हुए देख लिया। जिससे ग्रामीण दहशत में हो गए थे। ग्रामीणों ने तेंदुए को भगाने के लिए शोर मचाया। शोर से तेंदुए डर गया, लेकिन भागा नहीं। वो घर में छुपा रहा। तेंदुआ घर में बने ओटले पर जाकर बैठ गया। तेंदुए ने किसी को भी न हानि पहुंचाई और न ही तेंदुए को कोई हानि हुई थी। वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर उसे वन विहार भोपाल भेज दिया था। तेंदुआ को एसटीआर में छोड़ने की कुछ दिन से तैयारी चल रही थी।

नरसिंहपुर में भाई-बहन नर्मदा नदी में डूबे, मौत

सोकलपुर घाट पर लोगों ने 3 बच्चों को बचाया ; जांच में जुटी पुलिस

नरसिंहपुर (नप्र)। नरसिंहपुर में दो सगे भाई-बहन की नर्मदा नदी में डूबने से मौत गई। उनके साथ 3 बच्चे और थे, वहां मौजूद लोगों ने उन्हें बचा लिया। घटना सुबह करीब 7 बजे जिले के साईंखेड़ा में नर्मदा नदी के तट पर बने सोकलपुर घाट की है। जानकारी के अनुसार ग्राम खुरसीपार के ग्रामीण वैशाख माह की अमावस्या पर ट्रैक्टर ट्राली से सोकलपुर घाट स्नान करने गए थे। इस दौरान 5 बच्चे घाट पर स्नान करने लगे। पांचों गहरे पानी में चले गए। इसके बाद हर्षिता गुर्जर (12) और हर्षित गुर्जर (10) की डूबने से मौत हो गई। इनके साथ नहा रहे अनु पिता गणेश दीक्षित (15), अर्चना पिता प्रेम नारायण गुर्जर (13) और रामा पिता प्रेम नारायण गुर्जर (10) को लोगों ने डूबने से बचा लिया। दोनों बच्चों के शव का पोस्टमॉर्टम गाडरवारा सिविल अस्पताल में कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गहरे पानी में जाने से डूबे- मामले में साईंखेड़ा थाना टीआई संग्राम सिंह ने बताया कि सुबह करीब 7 बजे कुछ परिवार के लोग नर्मदा स्नान करने आए थे।

स्नान के बाद सभी लोग खाने खाने लगे, इस दौरान कुछ बच्चे वापस नर्मदा में स्नान करने चले गए।

इस दौरान एक ही परिवार के हर्षित और हर्षिता गहरे पानी में जाने से डूब गए। इसके बाद परिजन इन्हें निकालकर गाडरवारा अस्पताल लेकर आए, जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

देवास में अज्ञात बीमारी से दो की मौत, 70 बीमार

कांग्रेस के ट्वीट के बाद सीएम के निर्देश पर भोपाल-इंदौर से तीन टीमें पहुंचीं

देवास/ भोपाल (नप्र)। देवास जिले की टोंक खुर्द तहसील के खेड़ा माधवपुर गांव में अज्ञात बीमारी फैल गई है। इस बीमारी से अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। 70 लोग बीमार हैं। ये जानकारी कांग्रेस नेता और पीसीसी चीफ के मीडिया एडवाइजर केके मिश्रा ने मंगलवार देर रात सोशल मीडिया पर दी। इसके बाद सरकार हरकत में आई। सीएम डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर तीन टीमें खेड़ा माधवपुर गांव पहुंचीं हैं।

भोपाल के स्वास्थ्य संचालनालय की ओर से दो सदस्यीय टीम में स्टेट एंटेमोलॉजिस्ट डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह और शैव्या सालम को भेजा गया है। इंदौर से दो टीमें भेजी गई हैं। एक टीम में इंदौर के सिविल सर्जन के साथ एक अन्य विशेषज्ञ हैं। इंदौर के एमजीएम

मेडिकल कॉलेज की 4 सदस्यीय टीम में डॉ. वीपी गोस्वामी और 3 रेजिडेंट डॉक्टर जांच में जुटे हैं।

कांग्रेस नेता ने सबसे पहले एक्स पर दी थी जानकारी- कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने मंगलवार रात 9:37 बजे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी।

टाइफाइड और पीलिया फैलने की आशंका

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्राथमिक तौर पर मिली जानकारी के अनुसार गांव में टाइफाइड और पीलिया फैलने की आशंका है। हालांकि, विशेषज्ञों के दलों द्वारा अस्पतालों में भर्ती मरीजों के सैंपल लेकर जांच कराई जाएगी। इसके बाद ये साफ हो पाएगा कि कौन सी बीमारी फैली है। केके मिश्रा ने मामले में सरकार द्वारा उठाए कदम को लेकर बुधवार को एक्स पर आभार भी जताया।

सीएमएचओ ने दो मौतों की पुष्टि की

मामला सामने आने के बाद मीडिया ने देवास के सीएमएचओ शिवेंद्र मिश्रा से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि गांव में पिछले कुछ दिनों से लोगों के बीमार होने की जानकारी सामने आई है। गांव के एक व्यक्ति की तबीयत उल्टी, बुखार होने के बाद खराब हो गई थी। जिसे उज्जैन के आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उपचार के दौरान 26 अप्रैल को उसकी मौत हो गई। इसके बाद एक अन्य व्यक्ति की मौत 3 मई को इसी गांव में हुई है।